सर्वोच्च छत्तीसगढ़

प्रधान संपादक - शिवशंकर सोनपिपरे | प्रदेश का सबसे तेज बढ़ता हुआ अखबार | RNI- CHHHIN/2011/41823 | समदृष्टि, समविचार एक अच्छा अखबार

● अंक : 40 ● वर्ष : 14 ● रायपुर गुरूवार 13 फरवरी से 19 फरवरी 2026 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 5 रूपए

बदल गया पीएम मोदी के ऑफिस का पता

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13 फरवरी 2026 को दिल्ली में नए प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) परिसर का उद्घाटन करेंगे। यह परिसर सेवा तीर्थ नाम से जाना जाएगा, जो सेंट्रल विस्टा पुनर्विकास परियोजना का हिस्सा है। पीएम मोदी दोपहर करीब 1:30 बजे सेवा तीर्थ का नाम अनावरण करेंगे और शाम करीब 6 बजे सेवा तीर्थ के साथ कर्तव्य भवन-1 और कर्तव्य भवन-2 का औपचारिक उद्घाटन करेंगे। वे शाम को एक सार्वजनिक कार्यक्रम को भी संबोधित करेंगे। स्वतंत्रता के बाद से पीएमओ साउथ ब्लॉक में कार्यरत था। अब यह नए परिसर सेवा तीर्थ में शिफ्ट हो जाएगा, जो दारा शिकोह रोड पर स्थित है।

पीएम मोदी से मिले रोल्स-रॉयस के सीईओ

डीलः रक्षा और एविएशन सहयोग को मिल सकती है नई रफ्तार

नई दिल्ली। लग्जरी कार निर्माता कंपनी रोल्स-रॉयस ने कहा है कि वह भारत में अपने कारोबार का विस्तार करना चाहती है। कंपनी रक्षा, नागरिक एविएशन और ऊर्जा क्षेत्र में नए कार्यक्रमों और साझेदारियों के जरिए अपनी उपस्थिति मजबूत करने की योजना बना रही है। कंपनी अगली पीढ़ी के लड़ाकू विमान के इंजन के सह-विकास की संभावनाएं तलाश रही है। रोल्स-रॉयस और ब्रिटेन सरकार ने 120 द्मह्र क्षमता वाले लड़ाकू जेट इंजन को संयुक्त रूप से विकसित करने का प्रस्ताव दिया है। इसे भारत के लिए स्वदेशी अगली पीढ़ी का इंजन विकसित करने की दिशा में तेज रास्ता माना जा रहा है।

कंपनी के अनुसार, इस सह-विकास के तहत भारत को पूर्ण टेक्नोलॉजी ट्रांसफर और बौद्धिक संपदा अधिकार मिलेंगे। इसके लिए भारत में डिजाइन और निर्माण की विशेष सुविधा स्थापित की जाएगी, जिससे बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

रोल्स-रॉयस भारतीय सेना, नौसेना और तटरक्षक बल के लिए इंजन निर्माण भारत में ही करने पर विचार कर रही है। कंपनी महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे और उद्योगों के लिए पावर सॉल्यूशन उपलब्ध कराने की भी योजना बना रही है। इन पहलों के चलते भारत में रोल्स-रॉयस और उसके साझेदारों के साथ काम करने वाले कर्मचारियों की संख्या दोगुनी होकर लगभग 10,000 तक पहुंच सकती है। कंपनी का अनुमान है कि वह भारत से अपनी सप्लाई चेन के लिए खरीद को 10 गुना तक बढ़ा सकती है।

तीनों सेनाओं को मिलेगा आधुनिक हथियारों का बड़ा पैकेज, राफेल डील पर लगी मुहर

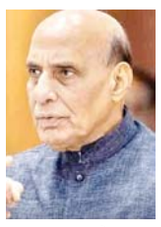

नई दिल्ली। रक्षा मंत्रालय की अहम बैठक में मल्टी-रोल फाइटर एयरक्राफ्ट राफेल की खरीद के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है। इसके साथ ही भारतीय वायुसेना को नए राफेल लड़ाकू विमान मिलने का रास्ता साफ हो गया है। फ्रंस के साथ होने वाले इस सौदे समेत करीब 3.60 लाख करोड़ रुपए के रक्षा खरीद प्रस्तावों को हरी झंडी दी गई है।

नई दिल्ली में गुरुवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में डिफेंस एक्विजिशन काउंसिल (डीएसी) की महत्वपूर्ण बैठक हुई। इसमें वायुसेना के लिए राफेल फाइटर एयरक्राफ्ट, आधुनिक कॉम्बैट मिसाइलें और एयर-शिप बेस्ड हाई एल्टीट्यूड स्यूडो सैटेलाइट (एएस-एचएपीएस) खरीदने को मंजूरी दी गई। थलसेना के लिए एंटी-टैंक माइन, टी-72 टैंक, बीएमपी- और आर्मर्ड रिकवरी व्हीकल्स के ओवरहॉल को भी स्वीकृति मिली। राफेल जैसे आधुनिक लड़ाकू विमान वायुसेना को लंबी दूरी तक सटीक हमला करने की क्षमता प्रदान करेंगे। बीते वर्ष 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान राफेल की मदद से पाकिस्तान स्थित आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया था। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, अधिकतर विमान भारत में ही बनाए जाएंगे, जिससे 'मेक इन इंडिया' को बढ़ावा मिलेगा। आधुनिक कॉम्बैट मिसाइलें दुश्मन के ठिकानों पर दूर से सटीक वार करने में सक्षम होंगी, जबकि एएस-एचएपीएस प्रणाली निगरानी, खुफिया जानकारी जुटाने और सैन्य संचार को मजबूत करेगी। थलसेना के लिए एंटी-टैंक माइन 'विभव' को मंजूरी दी गई है, जो दुश्मन के टैंकों और भारी वाहनों को रोकने में प्रभावी होगी।

बजट सत्र में बयानबाजी पर एनडीए का राहुल गांधी पर हमला

रायपुर। संसद के बजट सत्र के दौरान लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के बयानों को लेकर सियासी घमासान तेज हो गया है। एनडीए के सांसदों और केंद्रीय मंत्रियों ने उन पर बिना तथ्यों के आरोप लगाने, सदन की गरिमा को ठेस पहुंचाने और संसदीय परंपराओं का उल्लंघन करने के आरोप लगाए हैं। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि गंभीर पद पर बैठे व्यक्ति को अपनी मर्यादा और जिम्मेदारी समझनी चाहिए। उन्होंने संकेत दिया कि विशेषाधिकार प्रस्ताव एक अधिकार है और यदि कोई निराधार बातें करता है तो ऐसा कदम उठाया जा सकता है। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि प्रस्ताव लाया जाएगा या नहीं, इस पर अभी कोई पुष्टि नहीं है। केंद्रीय मंत्री बीएल वर्मा ने कहा कि बजट सत्र अत्यंत महत्वपूर्ण होता है, लेकिन विपक्ष के सांसदों ने न अपनी गरिमा का ख्याल रखा और न ही संसद की। उनके मुताबिक, बजट सत्र में व्यवधान पैदा किया गया, जबकि यह सभी के लिए अच्छा बजट है। केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने कहा कि राहुल गांधी के बयान आधारहीन होते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सांसदों को स्पीकर से मिलने और बात करने का अधिकार है, लेकिन स्पीकर को धमकी देना भारतीय संसदीय इतिहास में अभूतपूर्व है।

भारत बंद का छत्तीसगढ़ में मिला-जुला असर

रायपुर केंद्र सरकार के चार नए लेबर लॉ के खिलाफदेशभर में श्रमिक संगठन प्रदर्शन कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ में बंद का असर मिला-जुला रहा। रायपुर, बिलासपुर और अन्य शहरों में चैंबर ऑफकॉमर्स का समर्थन नहीं मिलने के कारण दुकानें, व्यापारिक प्रतिष्ठान, पेट्रोल पंप, स्कूल और कॉलेज सामान्य रूप से खुले रहे। रायगढ़ जिले में ट्रेड यूनियन के सदस्य छाल कोल खदान के पास प्रदर्शन कर रहे हैं, जिससे जिले की चार कोयला खदानें बंद हैं और कोयला परिवहन पूरी तरह ठप हो गया है। यूनियन नेताओं का कहना है कि नए कानून से मजदूरों के अधिकार कम होंगे। भिलाई स्टील प्लांट के मेन गेट के बाहर भी ट्रेड यूनियन के सदस्य विरोध प्रदर्शन किया। मनेन्द्रगढ़ की हल्दीबाड़ी कोयला खदान में हड़ताल के चलते काम प्रभावित हुआ। एच.एम.एस., एटक, इंटक और सीटू सहित कई संगठनों ने इसे समर्थन देते हुए चार लेबर कोड को मजदूर विरोधी बताते हुए वापस लेने की मांग की।

बांग्लादेश चुनावः बीएनपी और एनसीपी ने एक-एक सीट जीती, वोटों की गिनती जारी

ढाका। बांग्लादेश में गुरुवार को हुए आम चुनाव के बाद वोटों की गिनती शुरू हो गई है। शुरुआती नतीजे और रुझान आने लगे हैं। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी और नेशनल सिटिजन पार्टी ने एक-एक सीट पर जीत हासिल कर ली है।

झेनाइदाह-1 (शैलकुपा) सीट से बीएनपी उम्मीदवार मोहम्मद असदुज्जमान और कुमिल्ला-4 सीट से एनसीपी के उम्मीदवार हसना अब्दुल्ला जीत गए हैं। देशभर में आज दोपहर 2 बजे तक देश के 36 हजार वोटिंग सेंटर्स पर 47.91त्न मतदान हुआ। मतगणना के बीच आज देर रात तक रुझान आने शुरू हो जाएंगे. बता दें कि ये देश के हालिया इतिहास के सबसे अहम राजनीतिक मोड़ माने जा रहे हैं।

2024 के छात्र आंदोलन के बाद शेख हसीना सरकार के हटने शेख हसीना के हटने के बाद यह बांग्लादेश का पहला आम चुनाव है. इसलिए इस चुनाव पर देश-दुनिया की नजर है. संसद के गठन के साथ 84 बिंदुओं वाले सुधार पैकेज पर जनमत संग्रह भी कराया जा रहा है, जिससे राजनीतिक ढांचे में बड़े बदलाव संभव हैं.

299 सीटों पर मतदान

सुबह 7:30 बजे शुरू हुई वोटिंग शाम 4:30 बजे तक जारी रही. 299 सीटों पर मतदान हुआ और अब मतदान पूरे हो चुके हैं. चुनाव आयोग ने जानकारी दी है कि अब वोटों की गिनती शुरू हो चुकी है. बता दें कि आज कई केंद्रों पर सुबह से लंबी कतारें दिखीं और युवाओं में खास उत्साह नजर आया, क्योंकि लाखों लोग पहली बार मतदान कर रहे हैं. अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने इसे 'नए बांग्लादेश का जन्मदिन' बताते हुए शांतिपूर्ण भागीदारी की अपील की, जबकि सेना प्रमुख ने भी नागरिकों से बिना डर वोट डालने को कहा. क्व्हक्क प्रमुख तारिक रहमान और जमात नेता शफीकुर रहमान समेत कई बड़े नेताओं ने वोट डाला. क्व्हक्क ने जीत का भरोसा जताते हुए जल्दी परिणाम घोषित करने की मांग भी की. छात्र समूहों ने मतदाताओं से ईमानदार उम्मीदवार चुनने की अपील की. इस बार आवामी लीग मैदान से बाहर है, जिससे मुकाबला मुख्य रूप से बीएनपी गठबंधन और जमात-ए-इस्लामी के नेतृत्व वाले मोर्चे के बीच माना जा रहा है. दोनों पक्ष जीत को लेकर आश्वस्त हैं. युवाओं की बड़ी भूमिका और एआई आधारित प्रचार जैसे नए तत्व इस चुनाव को अलग पहचान दे रहे हैं.

क्रिकेट सट्टा गिरोह का भंडाफोड़, गिरफ्तार

रायपुर । टी-20 वर्ल्ड कप के बीच राजधानी में ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा संचालित करने वाले एक संगठित गिरोह का एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और थाना कबीर नगर पुलिस की संयुक्त टीम ने पर्दाफाश किया है। कार्रवाई के दौरान चार आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 17 लाख रुपये नकद सहित कुल लगभग 19.70 लाख रुपये का मशरूका जब्त किया गया। आरोपियों के खिलाफ थाना कबीर नगर में छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 की धारा 7 और 112 (2) बीएनएस के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है।पुलिस को 11 फरवरी 2026 को सूचना मिली थी कि कबीर नगर थाना क्षेत्रांतर्गत फेस-02 तिरंगा चौक के पास कुछ लोग ऑनलाइन सट्टा संचालित कर रहे हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस उपायुक्त श्री स्मृतिक राजनाला और पुलिस उपायुक्त संदीप पटेल ने तत्काल जांच और कार्रवाई के निर्देश दिए। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट तथा कबीर नगर पुलिस की संयुक्त टीम ने मौके पर दबिश दी। रेड के दौरान मौजूद लोग भागने का प्रयास करने लगे, लेकिन घेराबंदी कर चार व्यक्तियों को पकड़ लिया गया।गिरफ्तार किए गए आरोपियों में पहला आरोपी दीपक सचदेवा (30 वर्ष) पिता स्वर्गीय धर्मेन्द्र सचदेवा, निवासी एम-02/56, फेस-03, कबीर नगर तिरंगा चौक के पास, थाना कबीर नगर रायपुरदूसरा आरोपी गौरव सचदेवा (29 वर्ष) पिता सतीश सचदेवा, निवासी कंचनजंघा कॉम्प्लेक्स, सी-ब्लॉक 106, प्रथम तल, आदर्श चौक, थाना कबीर नगर रायपुर; तीसरा आरोपी ऋषभ रंगलानी (30 वर्ष) पिता स्वर्गीय नारायण प्रकाश रंगलानी, निवासी मारुति विहार कॉलोनी, आर.के. मॉल के पास, पलाश कॉम्प्लेक्स, थाना आमानाका रायपुर; और चौथा आरोपी ओम खेमानी (30 वर्ष) पिता मुकेश खेमानी, निवासी हीरापुर रोड, थाना कबीर नगर रायपुर शामिल हैं।

चैतन्य बोले-जेल में कैदी लगाते थे इंजेक्शन

रायपुर । छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल शराब घोटाले केस में 170 दिन जेल में रहे। 3 जनवरी 2026 को बाहर आने के बाद चैतन्य ने जेल की स्थिति को लेकर कई दावे किए है। सीनियर एडवोकेट और राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल के पॉडकास्ट में चैतन्य ने बताया कि जेल की स्थिति बहुत खराब थी। पीने के पानी में कीड़े मिलते थे। एक ही कमरे में खाने और शौचालय का इंतजाम होता था। अस्वस्थ कैदी अपना इलाज खुद कर इंजेक्शन लगा लेते थे, ड्रेसिंग कर लेते थे। इलाज की कोई व्यवस्था नहीं थी। जेल में कांग्रेस नेताओं के साथ ज्यादा बुरा बर्ताव होता है। जज को वहीं दिखाया जाता था जो वह देखना चाहते थे। बता दें कि इसी पॉडकास्ट में पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने दावा किया था कि उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बीजेपी में शामिल होने का ऑफर दिया था। कमिटमेंट नहीं करने पर उनके यहां छापे पड़े। पॉडकास्ट में चैतन्य बघेल ने बताया कि मुझे रायपुर सेंट्रल जेल भेजा गया था और 10 बाई 7 के आइसोलेटेड सेल में 170 दिनों तक रखा गया था।

कोर्ट की सजा एक होती है, लेकिन जेल के अंदर जो होता है, वह दूसरी सजा होती है। जेल जाने के बाद दूसरी सजा है वहां की प्रताड़ना झेलना। प्रताड़ना ऐसा था कि वहां पीने का साफ पानी तक नहीं मिलता था। इलाज के लिए कोई व्यवस्था नहीं थी। सेल में ही टॉयलेट था। एक ही कमरे में टॉयलेट और खाना खाना पड़ता था, क्योंकि सेल में पार्टिशन नहीं था। इसके अलावा जमीन पर सोता था। पूर्व मंत्री कवासी लखमा भी लगातार शिकायत करते रहे कि उन्हें सीने में दर्द है। लेकिन उन्हें इलाज के लिए भेजा नहीं गया। जब पिता ने ष्ठत्वक्क को पत्र लिखा, तब जाकर उन्हें अस्पताल ले जाया गया।

शेख हसीना ने बांग्लादेश चुनाव को बताया अवैध

ढाका। बांग्लादेश में आज आखिरकार चुनाव हो ही गए। वोटिंग प्रक्रिया पूरी हो गई है और जल्द ही चुनाव के परिणाम सामने आ जाएंगे और पता चल जाएगा कि बांग्लादेश में किसकी सरकार बनेगी। हालांकि

चुनाव काफी तनाव के बीच हुए और इस दौरान एक पोलिंग बूथ पर तो बम धमाका भी हो गया, जिसमें 3 लोग घायल हो गए। बांग्लादेश में कई लोगों ने चुनाव की वैधता पर सवाल भी उठाए हैं। इसी बीच पूर्व बांग्लादेशी पीएम शेख हसीना की भी इस मामले पर प्रतिक्रिया सामने आ गई है। शेख हसीना, को 5 अगस्त 2024 से भारत सरकार की शरण में रह रही हैं, ने बांग्लादेश में आज हुए चुनाव को अवैध और असंवैधानिक करार दिया है। उन्होंने कहा कि चुनाव में बांग्लादेशी मतदाताओं के अधिकारों का उल्लंघन हुआ। साथ ही शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग को भी चुनाव नहीं लड़ने दिया।

लोकसभाः 2030 तक 1 अरब नागरिकों को 5-जी कनेक्टिविटी की सुविधाः

नईदिल्ली। संचार मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने संसद में भारत के तेजी से बदलते डिजिटल परिदृश्य और भविष्य की कार्ययोजना पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत अब प्रौद्योगिकी का अनुयायी नहीं रहा, बल्कि वैश्विक डिजिटल नेता के रूप में उभरा है। सिंधिया ने इस बात पर जोर दिया कि संचार क्रांति अब केवल महानगरों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि देश भर के गांवों तक पहुंच रही है, जिससे नागरिकों के जीवन, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और आजीविका में बदलाव आ रहा है। उन्होंने कहा कि भारत में ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी एक दशक पहले के 6 करोड़ कनेक्शनों से बढ़कर आज 1 करोड़ हो गई है। सरकार का लक्ष्य वर्ष 2030 तक इस डिजिटल बुनियादी ढांचे को और मजबूत और व्यापक बनाना है। लोकसभा में केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने बताया कि भारत ने विश्व में सबसे तेज गति से 5-जी सेवा शुरू की है। मात्र 22 महीनों में देश के 99.9 प्रतिशत जिलों में 5-जी सेवाएं शुरू हो चुकी हैं, जो एक वैश्विक मानक है। दूरसंचार सेवा प्रदाताओं ने इस विस्तार के लिए लगभग 4 लाख करोड़ रुपये का निवेश किया है और देशभर में 5 लाख से अधिक बेस ट्रांससीवर स्टेशन (बीटीएस) स्थापित किए गए हैं। सिंधिया ने कहा कि वर्तमान में, 40 करोड़ नागरिक 5-जी सेवाओं से लाभान्वित हो रहे हैं, और यह संख्या वर्ष 2030 तक 1 अरब तक पहुंचने की संभावना है। भारत के दूरदर्शी दृष्टिकोण का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा, भारत ने 4-जी में दुनिया का अनुसरण किया, 5-जी में दुनिया के साथ कदम मिलाया और 6-जी में दुनिया का नेतृत्व करेगा। वहीं, देश के प्रत्येक स्थान तक डिजिटल कनेक्टिविटी पहुंचाने के प्रयासों का उल्लेख करते हुए केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा कि वाई-फाई नेटवर्क का विस्तार ग्रामीण भारत में एक नई क्रांति ला रहा है। उन्होंने बताया कि वाई-फाई हॉटस्पॉट की स्थापना के मामले में महाराष्ट्र देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है।

100 करोड़ की लागतः चौड़ी होगी लाभांडी-सरोना सर्विस लेन

रायपुर। राजधानी रायपुर के निवासियों और एनएच 53 (मुंबई-कोलकाता हाईवे) का उपयोग करने वाले हजारों वाहन चालकों के लिए राहत भरी खबर है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने सरोना से लाभांडी के बीच सर्विस लेन के चौड़ीकरण के प्रोजेक्ट को मंजूरी दे दी है। लगभग 100 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली 14 किलोमीटर लम्बी सर्विस लेन 10 मीटर चौड़ी की जाएगी।

इस परियोजना की सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि चौड़ीकरण के लिए किसी भी तरह के भूमि अधिग्रहण की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। सड़क के दोनों किनारों पर एनएचएआई के पास पर्याप्त जमीन पहले से उपलब्ध है। निर्माण कार्य को गति देने के लिए सबसे पहले छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड द्वारा सर्विस लेन में लगे बिजली के खंभों को हटाया और शिफ्ट किया जाएगा। बिजली खंभों की शिफ्टिंग की प्रक्रिया पूरी होते ही एनएचएआई द्वारा चौड़ीकरण का सिविल वर्क शुरू कर दिया जाएगा।

14.25 किलोमीटर की लंबाई में होने वाले इस विस्तार से लाभांडी, तेलीबांधा, पचपेड़ी नाका, संतोषी नगर, बस स्टैंड और सरोना जैसे हाईवे से सटे इलाकों में रहने वाले लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। वर्तमान में इस मार्ग पर 24 घंटे भारी वाहनों का भारी दबाव रहता है, जिससे स्थानीय ट्रैफिक को अक्सर जाम का सामना करना पड़ता है। सर्विस लेन की चौड़ाई दोगुनी होने से न केवल स्थानीय व्यापारियों को लोडिंग-अनलोडिंग और पार्किंग में सुविधा होगी, बल्कि रोजाना आवाजाही करने वाले हजारों वाहन चालकों का समय भी बचेगा।

हुमायूं कबीर का कल बड़े मार्च की चेतावनी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनावों से पहले सियासी पारा हाई है. तृणमूल कांग्रेस से निष्कासित विधायक हुमायूं कबीर एक बार फिर अपने बयानों के कारण सुर्खियों में बने हुए हैं. जिससे सियासत गरमा गई है. उन्होंने आरोप लगाया है कि उनकी हत्या की साजिश रची जा रही है. ऐसे में हुमायूं कबीर ने चेतावनी दी है कि वह 14 फरवरी को वह अपने कार्यकर्ताओं और समर्थकों के साथ बेरहामपुर टेक्सटाइल मोड़ से एसपी कार्यालय तक मार्च करेंगे. इसके साथ ही कॉलर पकड़कर वे जवाब मांगेंगे. बुधवार को बाबरी मस्जिद का काम भी शुरू हुआ है. हुमायूं कबीर ने अपनी हत्या की साजिश का आरोप लगाते हुए 14 फरवरी को बड़े मार्च की चेतावनी दी है. कबीर ने ममता सरकार और बीजेपी पर हमला बोलते हुए प्रशासन पर भी पक्षपात का आरोप लगाया है.

संपादकीय

अमेरिकी नागरिक आर्थिक कारणों से ठिकाना बदल चुके हैं

पूंजीवादी देश अमेरिका जो दुनिया के देशों को समृद्धि और लोकतंत्र का पाठ पढ़ाता है वह अपने ही नागरिकों को दो टाइम का भोजन नहीं दे पा रहा है। अमेरिका का मध्यम वर्ग गरीब हो रहा है। सारी दुनिया में अमेरिका की जो तस्वीर दिखाई जाती है, ठीक उसके विपरीत हालिया सर्वे मे एक ऐसी तस्वीर सामने आई है, जिसने अमेरिका की कलई खोल कर रख दी है। आमतौर पर चमकदार इमारतों, शेयर बाज़ार और वैश्विक ताक़त की आड़ में अमेरिका अपनी वास्तविकता को छिपा देता है। सर्वे के अनुसार अमेरिका की करीब 74 प्रतिशत आबादी रोज़ी-रोटी के गंभीर संकट से जूझ रही है। यह संकट केवल गरीबों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि मिडिल क्लास और युवा वर्ग पर इसकी सबसे बड़ी मार प?ी है। अमेरिका में हालात ये हैं, लोग बिजली, गैस, पानी जैसी बुनियादी जरूरत के मासिक बिल तक अदा नहीं कर पा रहे हैं। किराना, किराया और स्वास्थ्य खर्च लगातार बढ़ते जा रहे हैं। सर्वे के अनुसार 10 में से 9 अमेरिकी मानते हैं, पूरा अमेरिका फ्रकॉस्ट ऑफ लिविंग क्राइसिसफ्र में फंस गया है। सर्वे में 10 में से 8 लोगों ने माना है, पिछले एक साल में महंगाई तेजी के साथ बढ़ी है। जिसके कारण उनका नियमित जीवन बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। पिछले 1 साल में जिस तरह से सरकार की नीतियां हैं, उसने आम आदमी का जीवन दूभर कर दिया है। सबसे चिंताजनक स्थिति अमेरिका मे युवाओं की है। महंगाई और बेरोजगारी के चलते युवा वर्ग में गुस्सा, असंतोष और निराशा तेज़ी से बढ़ती जा रही है। अमेरिका का मध्यम वर्ग टैक्स रिफंड से जो राशि मिलती थी उसका उपयोग छुट्टियों, मनोरंजन या ख़रीदारी के लिए करता था। अब टैक्स रिफंड से जो राशि मिलती है, उसका उपयोग पेट भरने और कर्ज़ चुकाने के लिए करना पड़ रहा है। सर्वे के अनुसार 73 प्रतिशत लोगों ने माना है, टैक्स रिफंड अब जीवन यापन के लिए ज्यादा ज़रूरी हो गया है। 60 प्रतिशत लोगों ने रिफंड जल्दी देने की बात कही है। टैक्स रिफंड में देरी होने से खर्च चलाना मुश्किल हो जाता है। जेन-जी के लिए यह संकट और भी गहरा है। करीब 74 प्रतिशत युवा रिफंड नहीं मिलने पर आपात ज़रूरतें भी पूरा नहीं कर पा रहे हैं। अमेरिका के इस आर्थिक दबाव का सीधा असर सभी वर्गों पर देखने को मिल रहा है। अमेरिका से आंतरिक पलायन शुरू हो गया है। लोग एक शहर से दूसरे शहर, एक राज्य से दूसरे राज्य यहां तक कि यूरोपीय देशों में भाग रहे हैं। जहां वह वर्षों से रह रहे थे, वहां अब उनका गुज़ारा संभव नहीं हो पा रहा। सर्वे बताता है कि जेन-जी के लगभग 50 प्रतिशत युवा तथा कुल आबादी के 38 प्रतिशत अमेरिकी नागरिक आर्थिक कारणों से ठिकाना बदल चुके हैं। यह पलायन की स्थिति उन्हें जड़ों से काटने की प्रक्रिया मानी जा रही है। विडंबना यह है, जिन राज्यों को अफोर्डेबल अमेरिका कहा जाता है, उनमे मिसिसिपी, अलबामा और ओक्लाहोमा के 60 प्रतिशत लोग मानते हैं। वह किसी तरह से अपना खर्च चला पा रहे हैं। अमेरिका के सबसे सस्ते राज्यों की बड़ी आबादी आर्थिक संकट से जूझ रही है। यह स्थिति इस बात का सूचक है कि अमेरिका गहरे आर्थिक संकट में फंस गया है। पिछले एक साल में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा जिस तरह के निर्णय लिए जा रहे हैं, उसके बाद अमेरिका में बदहाली बढ़ती जा रही है। इसका असर सामाजिक स्तर पर बड़े पैमाने पर दिखने लगा है। युवाओं को अपना भविष्य अंधकार में दिख रहा है। इससे उनमें गुस्सा, नशा और सामाजिक तनाव बढ़ रहा है। अमेरिका में युवाओं की बहुत बड़ी संख्या अब अपराध की ओर भी जाती हुई दिख रही है। यह वही अमेरिका है, जहां सड़कों पर समृद्धि दिखती है। पूंजीवादियों के ऐशो आराम और अय्याशी को देखकर लगता है, अमेरिका बहुत धनवान है। अमेरिका में रहने वाले लोग बहुत प्रसन्न हैं, लेकिन अमेरिका की स्थिति ठीक इसके विपरीत है। नागरिकों के मन में असुरक्षा और भय पनप रहा है। अमेरिका एक ऐसे मोड़ पर आकर खड़ा हो गया है, जहां उसकी चमकदार छवि और ज़मीनी हकीकत के बीच की खाई गहरी होती जा रही है।

अमेरिका में 74 प्रतिशत आबादी के सामने रोज़ी-रोटी का संकट होना अमेरिका के लिए गंभीर चेतावनी है। अमेरिका खुद को दुनिया का नेतृत्वकर्ता मानता है, लेकिन अमेरिका लगातार कर्ज के संकट में फंसता चला जा रहा है।

विचार-मंथन

सबसे बड़ा सवाल अवामी लीग को चुनाव लड़ने की अनुमति न दिए जाने को लेकर है

बांग्लादेश में अचानक जेन-ज़ी आंदोलन और हिंसा के बीच प्रधानमंत्री शेख हसीना अगस्त 2024 में सत्ता से हटते हुए भारत में शरण लेती हैं। इसके बाद प्रमुख सलाहकार यूनुस की अंतरिम सरकार सत्ता की बागडोर संभालती है और फिर अंतर्राष्ट्रीय संबंधों को तोड़ने-मरोड़ने का खेल शुरु हो जाता है। सबसे भरोसेमंद और हितैषी पड़ोसी मित्र देश को दूर करने और दुश्मनों को गले लगाने का काम भी होता है। इस दौरान न हिंसा रुकती है और न ही हालात बदलते हैं। इसी के साथ चुनाव की तारीख भी सामने आ जाती है। बांग्लादेश में 12 फरवरी को होने वाले आम चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का अवसर भर नहीं हैं, बल्कि वे देश की वैचारिक दिशा, लोकतांत्रिक विश्वसनीयता और पड़ोसी देशों खासकर भारत से रिश्तों की जमीन तय करने वाले निर्णायक मोड़ साबित होंगे। कुल 300 सीटों में से 299 सीटों पर मतदान और 'जुलाई चार्टर' पर जनमत संग्रह के साथ यह चुनाव कई स्तरों पर महत्वपूर्ण होने वाले है। बावजूद इसके जिस राजनीतिक माहौल में चुनाव कराए जा रहे हैं, उससे इसकी निष्पक्षता और पारदर्शिता पर पहले से ही गंभीर प्रश्न खड़े हो गए हैं। सबसे बड़ा सवाल अवामी लीग को चुनाव लड़ने की अनुमति न दिए जाने को लेकर है। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के नेतृत्व वाली यह पार्टी बांग्लादेश की राजनीति की केंद्रीय धुरी रही है। ऐसे में उसका चुनावी मैदान से बाहर होना लोकतांत्रिक प्रतिस्पर्धा की आत्मा को कमजोर करता है। अवामी लीग के वरिष्ठ नेता और पूर्व विदेश मंत्री हसन महमूद ने चुनाव को सुनियोजित बताते हुए निष्पक्षता पर सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि चुनावी प्रक्रिया को इस तरह से गढ़ा गया है कि एक विशेष विचारधारा को सत्ता में बनाए रखा जा सके। उन्होंने ऐसे चुनाव का बहिष्कार करने की अपील अंतरराष्ट्रीय समुदाय तक से कर डाली। यहां कहना गलत भी नहीं होगा कि यदि विपक्ष का एक बड़ा दल ही चुनावी प्रक्रिया से बाहर हो, तो लोकतंत्र की विश्वसनीयता स्वतः संदिग्ध हो जाती है। बहरहाल चुनाव हो रहे हैं ऐसे में जीत-हार के दावे भी सामने आ गए हैं। चुनावी मुकाबला मुख्यतः तारिक रहमान के नेतृत्व वाले बीएनपी गठबंधन और जमात-ए-इस्लामी व नेशनल सिटीजन पार्टी (एनसीपी) के 11 दलों के गठबंधन के बीच माना जा रहा है। अनुमानित वोट प्रतिशत बताता है, कि मुकाबला कांटे का है। 13 वर्षों के प्रतिबंध के बाद जमात-ए-इस्लामी का चुनावी मैदान में लौटना भी एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम है। 2008 के बाद पहली बार वह चुनाव लड़ रही है। खुद को मुख्यधारा की राजनीति में स्थापित करने के प्रयास में जमात ने इस बार एक हिंदू उम्मीदवार को टिकट दिया है, हालांकि किसी महिला को उम्मीदवार नहीं बनाए जाने को लेकर जमात सुर्खियां भी बटोर रही है। इस मामले में पार्टी का तर्क है कि महिलाओं की सुरक्षा एक बड़ा मुद्दा है, लेकिन यह तर्क समावेशी राजनीति की कसौटी पर अधूरा लगता है।

बांग्लादेश के आम चुनाव का एक बड़ा आयाम विदेश नीति भी है। जमात-ए-इस्लामी के नेताओं ने संकेत दिए हैं कि वे सम्मान और मर्यादा के आधार पर विदेश संबंधों को पुनर्परिभाषित करना चाहते हैं। पिछले 16 वर्षों की विदेश नीति को एक देश अर्थात भारत केंद्रित बताकर उसकी आलोचना की जा रही है। तीस्ता जल बंटवारा, सीमा पर होने वाली घटनाएं और साझा नदियों के पानी का मुद्दा प्रमुख चुनावी विषय बन चुके हैं। यह स्पष्ट है कि बांग्लादेश में भारत के साथ संबंध अब निर्विवाद नहीं रहे। यदि नई सरकार भारत के प्रति अधिक कठोर रुख अपनाती है, तो द्विपक्षीय रिश्तों में तनाव और बढ़ सकता है। सुरक्षा कारण बताकर भारत द्वारा चुनाव के लिए पर्यवेक्षक न भेजना भी इन्हीं संकेतों की ओर इशारा करता है। यह या तो सतर्क दूरी का संकेत है या फिर आंतरिक परिस्थितियों को लेकर एक प्रकार की प्रतीक्षा की नीति। वैसे यहां यह नहीं भूलना चाहिए कि भारत के लिए बांग्लादेश केवल पड़ोसी देश ही नहीं है, बल्कि सामरिक, आर्थिक और सांस्कृतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण साझेदार भी है। सीमा सुरक्षा, पूर्वोत्तर भारत की स्थिरता, आतंकवाद-रोधी सहयोग और क्षेत्रीय कनेक्टिविटी इन सभी पर ढाका की राजनीतिक दिशा का सीधा असर पड़ता है।

चिंतन- मनन

चमचमाते तेज से चमकीला आकाश बनता है

चिन्मय आकाश में न तो सूर्यप्रकाश की आवश्यकता है, न चन्द्रप्रकाश अथवा अग्नि या बिजली की, क्योंकि सारे लोक स्वयं प्रकाशित हैं। इस ब्रह्मांड में केवल एक लोक- सूर्य, ऐसा है जो स्वयं प्रकाशित है। लेकिन आध्यात्मिक आकाश में सभी लोक स्वयं प्रकाशित हैं। उन समस्त लोकों के (जिन्हें वैकुण्ठ कहा जाता है) चमचमाते तेज से चमकीला आकाश बनता है, जिसे ब्रह्मज्योति कहते हैं। इस तेज का एक अंश महत-तत्व अर्थात जगत से आच्छादित रहता है। जब तक जीव इस अंधकारमय जगत में रहता है, तब तक वह बद्ध अवस्था में होता है। लेकिन ज्यों ही वह भौतिक जगत रूपी मिथ्या, विकृत वृक्ष को काटकर आध्यात्मिक आकाश में पहुंचता है, त्यों ही मुक्त हो जाता है। तब वह यहां वापस लेकिन अपनी मुक्त अवस्था में आध्यात्मिक राज्य में प्रवेश करता है और परमेर का पाषर्द बन जाता है। वहां पर वह सच्चिदानंदमय जीवन बिताता है। जो इस संसार से अत्यधिक आसक्त है, उसके लिए इस आसक्ति का छेदन करना दुष्कर होता है। लेकिन यदि वह कृष्णभावनामृत को ग्रहण कर ले, तो उसके क्रमशः छूट जाने की संभावना है। उसे ऐसे भक्तों की संगति करनी चाहिए जो कृष्णभावनाभावित होते हैं। उसे ऐसा समाज खोजना चाहिए, जो कृष्णभावनामृत के प्रति समर्पित हो और उसे भक्ति करनी सीखनी चाहिए।

स्वामी दयानंद ने जागरुकता पैदा करने के अथक प्रयास किए

स्वामी दयानंद ऐसे देशभक्त, समाज सुधारक, मार्गदशक और आधुनिक भारत के महान चिंतक थे, जिन्होंने न केवल ब्रिटिश सत्ता से जमकर लोहा लिया बल्कि अपने कार्यों से समाज को नई दिशा और ऊर्जा भी प्रदान की। 1857 की क्रांति में उनका अमूल्य योगदान था। स्वामी दयानंद का बचपन बहुत अच्छा बीता लेकिन उनके जीवन में घटी एक घटना ने उन्हें इस कदर प्रभावित किया कि वे 21 वर्ष की आयु में ही अपना घर बार छोड़कर आत्मिक एवं धार्मिक सत्य की तलाश में निकल पड़े और एक सन्यासी बन गए। जीवन में ज्ञान की तलाश में वे स्वामी विरजानंद से मिले, जिन्हें अपना गुरु मानकर उन्होंने मथुरा में वैदिक तथा योग शास्त्रों के साथ ज्ञान की प्राप्ति की। 1845 से 1869 तक कुल 25 वर्षों की अपनी वैराग्य यात्रा में उन्होंने कई प्रकार के दैविक क्रियाकलापों के बीच विभिन्न प्रकार के योगों का भी गहन अभ्यास किया।

लेखक - योगेश कुमार गोयल

देश के स्वतंत्रता संग्राम में स्वामी दयानंद की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण थी और 'स्वराज' का नारा उन्होंने ही दिया था, जिसे बाद में लोकमान्य बालगंगाधर तिलक ने अपनाया और 'स्वराज्य मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है' का नारा दिया। वेदों का प्रचार-प्रसार करने के साथ-साथ उनकी महत्ता लोगों तक पहुंचाने तथा समझाने के लिए उन्होंने देशभर में भ्रमण किया। जीवनपर्यन्त वेदों, उपनिषदों का पाठ करने वाले स्वामी जी ने पूरी दुनिया को इस ज्ञान से लाभान्वित किया। उनकी किताब 'सत्यार्थ प्रकाश' आज भी दुनियाभर में अनेक लोगों के लिए मार्गदर्शक साबित हो रही है। वेदों को सर्वोच्च मानने वाले स्वामी दयानन्द ने वेदों का प्रमाण देते हुए हिन्दू समाज में फैली कुरीतियों और अंधविश्वासों का डटकर विरोध किया। जातिवाद, बाल विवाह, सती प्रथा जैसी समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने में उनका योगदान उल्लेखनीय है, इसीलिए उन्हें 'सन्यासी योद्धा' भी कहा जाता है। दलित उद्धार तथा स्त्रियों की शिक्षा के लिए भी उन्होंने कई आन्दोलन किए। हिन्दू धर्म के अलावा इस्लाम तथा ईसाई धर्म में फैली बुराईयों और अंधविश्वासों का भी उन्होंने जोरदार खंडन किया। उन्होंने अपना पूरा जीवन मानव कल्याण, धार्मिक कुरीतियों की रोकथाम तथा वैश्विक एकता के प्रति समर्पित कर दिया। वे आध्यात्मिक क्रांति के संदेशवाहक थे।

स्वामी दयानंद ने आर्य समाज की स्थापना मुम्बई के गिरगांव में गुड़ी पड़वा के दिन 10 अप्रैल 1875 को की थी, जिसकी स्थापना का मुख्य उद्देश्य शारीरिक, आत्मिक और सामाजिक उन्नति के साथ समूचे विश्व को एक साथ जोड़ना था। आर्य समाज के द्वारा उन्होंने दस मूल्य सिद्धांतों पर चलने की सलाह दी। मूर्ति पूजा के अलावा वे जाति विवाह, महिलाओं के प्रति असमानता की भावना, मांस के सेवन, पशुओं की बलि देने, मंदिरों में चड़ावा देने इत्यादि के सख्त खिलाफ थे और इसके लिए उन्होंने लोगों में जागरुकता पैदा करने के अथक प्रयास किए। अपने 59 वर्ष के जीवनकाल में महर्षि दयानंद ने न सिर्फ देश में व्याप्त बुराईयों के खिलाफ लोगों को जागृत किया बल्कि अपने वैदिक ज्ञान से नवीन प्रकाश को भी देशभर में फैलाया। हालांकि कई लोगों ने उनका जमकर विरोध भी किया लेकिन स्वामी दयानंद सरस्वती के तार्किक ज्ञान के समक्ष बड़े-बड़े विद्वानों और पंडितों को भी नतमस्तक होना पड़ा। वे अपने जीवन को पुनर्जन्म, ब्रह्मचर्य, सन्यास तथा कर्म सिद्धांत के चार स्तंभों पर खड़ा मानते थे। स्वामी दयानंद हिन्दी भाषा के प्रबल समर्थक थे और उनका मत था कि कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक पूरे देश में एक ही भाषा 'हिन्दी' बोली जानी चाहिए। मानव शरीर को नश्वर बताते हुए वह कहते थे कि हमें इस शरीर के जरिये केवल एक अवसर मिला है, स्वयं को साबित करने का कि 'मनुष्यता' और 'आत्मविवेक' क्या है। वे कहा करते थे कि शक्ति किसी अलौकिकता या चमत्कारिता के प्रदर्शन के लिए नहीं होती। सभी धर्मों और उनके अनुयायियों को वे एक ही ध्वज तले बैठा देखना चाहते थे। दरअसल उनका मानना था कि आपसी लड़ाई का फायदा सदैव तीसरा उठाता हैं, इसलिए इस भेद को दूर करना आवश्यक है। कर्म करने को लेकर स्वामी जी तर्क देते थे कि काम करने से पहले सोचना बुद्धिमानी, काम करते हुए सोचना सतर्कता और काम करने के बाद सोचना मूर्खता है।

लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति यह है कि वह असहमति को स्थान देता है

(लेखक - ललित गर्ग)

भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में संसद इस लोकतंत्र का सर्वोच्च मंच है, जहाँ न केवल नीतियाँ बनती हैं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा बोलती है। ऐसे में जब लोकसभा अध्यक्ष जैसे संवैधानिक पद के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी की खबरें सामने आती हैं, तो यह घटना किसी एक व्यक्ति या दल तक सीमित न रहकर पूरे लोकतांत्रिक ढांचे पर प्रश्नचिह्न खड़ा कर देती है। विपक्षी दलों द्वारा यह आरोप लगाया जाना कि उन्हें, विशेषकर नेता प्रतिपक्ष को, सदन में बोलने का समुचित अवसर नहीं मिल रहा, और इसी आधार पर अध्यक्ष की निष्पक्षता पर सवाल उठाना, एक गहरी चिंता का विषय है। यह चिंता इसलिए भी अधिक गंभीर हो जाती है क्योंकि अध्यक्ष का पद परंपरागत रूप से सत्ता और विपक्ष के बीच संतुलन का प्रतीक माना जाता रहा है।

लोकसभा अध्यक्ष की भूमिका केवल कार्यवाही संचालित करने तक सीमित नहीं होती, बल्कि वह सदन की गरिमा, लोकतांत्रिक मर्यादा और सभी पक्षों के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने की संवैधानिक जिम्मेदारी भी निभाते हैं। यदि विपक्ष का एक बड़ा वर्ग यह महसूस करने लगे कि अध्यक्ष का व्यवहार पक्षपातपूर्ण है या उनकी आवाज को व्यवस्थित रूप से दबाया जा रहा है, तो यह केवल राजनीतिक असंतोष नहीं, बल्कि संस्थागत अविश्वास का संकेत होता है। 100 से अधिक सांसदों द्वारा हस्ताक्षर कर अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी यह दर्शाती है कि मामला क्षणिक आक्रोश का नहीं, बल्कि लंबे समय से पनप रही असहमति और संवादहीनता का परिणाम है। लोकसभा अध्यक्ष सदन के संरक्षक की भूमिका में होते हैं, जिनके प्रति विश्वास जरूरी होता है और उनसे भी निष्पक्षता की उम्मीद की जाती है। हालांकि यह भी उतना ही सत्य है कि संख्या बल के आधार पर इस तरह का प्रस्ताव पारित होना कठिन है, लेकिन लोकतंत्र में कई बार प्रतीकात्मक कदम भी गहरे संदेश देते हैं।

विपक्षी दलों द्वारा यह स्पष्ट करना कि वे टकराव के साथ-साथ सुलह का विकल्प भी खुला रखे हुए हैं, और इसी क्रम में विभिन्न वरिष्ठ नेताओं का अध्यक्ष से मुलाकात कर संवाद का प्रयास करना, इस बात का संकेत है कि अभी भी समाधान की गुंजाइश समाप्त नहीं हुई है। यह स्थिति हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि आखिर संसद जैसे सर्वोच्च मंच पर संवाद की जगह हंगामा, नारेबाजी और गतिरोध क्यों हावी होता जा रहा है। क्या यह केवल सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच अविश्वास का परिणाम है, या फिर संसदीय परंपराओं के क्षरण का संकेतड़ विगत वर्षों में बार-बार यह देखने को मिला है कि महत्वपूर्ण विधेयकों और राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर गंभीर चर्चा के बजाय सदन की कार्यवाही बाधित होती रही है। इससे न केवल विधायी कामकाज प्रभावित होता है, बल्कि जनता के बीच यह संदेश भी जाता है कि उनके चुने हुए प्रतिनिधि अपने दायित्वों के प्रति गंभीर नहीं हैं।

लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति यह है कि वह असहमति को स्थान देता है। विपक्ष का काम केवल विरोध करना नहीं, बल्कि सरकार को जवाबदेह ठहराना और वैकल्पिक दृष्टिकोण प्रस्तुत करना भी है। इसके लिए सदन में बोलने का अवसर, प्रश्न पूछने की स्वतंत्रता और आलोचना का सम्मान अनिवार्य है। यदि विपक्ष यह महसूस करता है कि उसके लिए ये रास्ते संकुचित किए जा रहे हैं, तो उसका आक्रोश सड़कों या नारेबाजी के रूप में फूट पड़ता है, जो अंततः संसद की गरिमा को ही नुकसान पहुँचाता है। दूसरी ओर, विपक्ष द्वारा बार-बार सदन की कार्यवाही बाधित करना भी उतना ही गंभीर दोष है, क्योंकि इससे शासन की प्रक्रिया ठप होती है और जनता के मुद्दे पीछे छूट जाते हैं। इस दोतरफा अविश्वास और आक्रामकता के बीच लोकतंत्र का मूल उद्देश्य कहीं खोता हुआ दिखता है।

दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में यदि संसद बार-बार हंगामे, निलंबन और गतिरोध की खबरों में रहे, तो यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी भारत की लोकतांत्रिक छवि को प्रभावित करता है। विकास, नीति और जनकल्याण की चर्चा के स्थान पर यदि टकराव और अविश्वास केंद्र में आ जाए, तो यह भविष्य के लिए शुभ संकेत नहीं है। लोकतंत्र की मजबूती केवल मजबूत सरकार से नहीं, बल्कि मजबूत विपक्ष और निष्पक्ष संस्थानों से भी आती है। लोकसभा अध्यक्ष जैसे पद से अपेक्षा की जाती है कि वह न केवल नियमों का पालन कराए, बल्कि विश्वास का सेतु भी बने। वहीं विपक्ष से भी यह अपेक्षा है कि वह विरोध को रचनात्मक बनाए, न कि अवरोध का माध्यम। आज आवश्यकता इस बात की है कि संसद को फिर से संवाद का मंच बनाया जाए।

वजीर खान ने धर्म परिवर्तन कराने की पुरी कोशिश की प्रलोभन दिया

(लेखक- संजय गोस्वामी)

माँ बाप की सेवा करना हरेक पुत्र का दायित्व है जो आपके यश को उज्जवल करती है गुरु गोबिंद सिंह जी के दो सबसे छोटे बेटे, साहिबजादा ज़ोरावर सिंह जी और साहिबजादा फतेह सिंह जी, जो दसवें सिख गुरु थे, उन्हें 26 दिसंबर, 1704 को सरहिंद (आज का फतेहगढ़ साहिब, पंजाब) में ज़बरदस्ती अपना धर्म छोड़ने से इनकार करने पर ज़िंदा दीवारों में चुनवा दिया गया और वे शहीद हो गए। वजीर खान ने धर्म परिवर्तन कराने की पुरी कोशिश की प्रलोभन दिया और यहाँ तक कहा की बड़े होने पर सुन्दर सुन्दर बेगम मिलेगी लेकिन जो माता पिता का संस्कार था वो डगमगाऐ नहीं मरना पसंद किया और शहीद हो गया अतः आज बच्चे माता पिता को इग्नोर क्यों करते हैं क्योंकि उन्हें लगता है मेरी बेगम या रानी बहुत सुन्दर है वो जो कहेजी वो ठीक होगा और रात्रि में सोने का एक अलग मजा होगा सच कटु होगा लेकिन आप डाकदल में बुरी तरह से फंसे हो और दुनिया में जिम्मेदारी नाम की भी चीज होती है और पत्नी प्रेम में रखना ठीक है। लेकिन माता और पिता का सहारा बनना भी जरुरी है क्योंकि जब पालण पोषण पड़ाया लिखाया तो वो भूल क्यों जाते हो सीखो श्रवण कुमार से नहीं तो आप गकत रास्ते की ओर चल पड़े और चाह कर भी आपस में टकराव देखने को मिलता है बच्चे को अपना देखना है चाहे आपका सर जले या पेट दर्द बिमारी से परेशान हो इतना पत्नी प्रेम में ना डुवो की वृद्धा आश्रम में डाल दो इसलिए आप अपने भविष्य को देख कर ही निर्णय लो हो सकता है भगवान राम जैसा वनवास मिले लेकिन आगे का भविष्य आपको हमेशा माता पिता की दुआ देगी संस्कार अच्छा होना चाहिए सीखो श्रवण कुमार से जो दुनिया से चला तो गया लेकिन इतिहास बना दिया आप बाल बलिदान दिवस तो मानते है लेकिन सीखते क्या है गुरु गोविन्द सिंह के दो मासूम बच्चे जब अपनी डुरबानी दि होगी तो इतने छोटे से बच्चे से नहीं सीखा आप पड़कर भी अनपड़ से भी कहीं ड़राब हो क्योंकि आपकी मानसिकता गलत तब होती है जब पत्नी प्रेम में डुबकी लगा कर आंनद से रहते हो और माता पिता को अकेले छोड़ कर पल्ला छुड़ाने की कोशिश करते हो पितृभक्त पुत्र श्रवण कुमार को याद करो जिसने अपने माता पिता को टोकड़ी में लेकर तीर्थ स्थान पर ले गए और गलती से पानी लाने के चक्कर में राजा दशरथ के हाथों शिकार हो गया लेकिन माता पिता का पुत्र के प्रति प्रेम इतना था की उन्होंने राजा दशरथ को ही श्राप दें दिया और उनके पुत्र भगवान राम को 14 वर्ष का वनवास मिला और उनके वियोग में उन्होंने भी वही पीड़ा सही और स्वर्गवास हो गया इस बात को भगवान राम भी जानते होंगे लेकिन राड़ सिंहासन छोड़ कर उनके वचन को निभाया राजा दसरथ उस समय यदि अपनी पत्नी कैकई के मायाजाल में ना फँसते तो शायद भगवान राम को वनवास ना मिलता और राड़तिलक होता लेकिन विधि का विधान कौन टाल सकता द्ध हुआ ऐ की पितृभक्त पुत्र श्रवण कुमार एक जिन्हें आज भी मातृ-पितृभक्ति के लिए जाना जाता हैं। इतिहास में मातृभक्ति और पितृभक्ति के लिए श्रवण कुमार का नाम अमर हैं। हिन्दू धर्म ग्रंथ रामायण में श्रवण कुमार का उल्लेख है। सबसे खास बात यह है कि ये वही श्रवण कुमार हैं जिनके माता-पिता के श्राप के कारण राजा पुत्र वियोग में राजा दशरथ की मृत्यु हुई थी। श्रवण कुमार की कथा श्रवण कुमार की कथा फॉलो करें श्रवण कुमार के माता-पिता श्रवण अपने माता-पिता से अतुलनीय प्रेम करते थे।

आयुक्त ने की प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा

राजनांदगांव। निगम आयुक्त श्री अतुल विश्वकर्मा वीसी कक्ष में प्रधानमंत्री आवास योजना के अधिकारियों व वास्तुविदों की बैठक लेकर आवास योजना की समीक्षा की। समीक्षा में योजना के घटकों की सिलसिलेवार जानकारी लेकर घटकों की अद्यतन प्रगति की जानकारी ली।

सर्वप्रथम निगम आयुक्त श्री विश्वकर्मा ने बैठक में आवास योजना के घटक बी.एल.सी. (स्वयं के द्वारा आवास निर्माण) के संबंध में विस्तृत जानकारी लेकर प्रगति की जानकारी ली। योजना के नोडल अधिकारी व कार्यपालन अभियंता श्री दीपक खाण्डे ने बताया कि बी.एल.सी. योजनांतर्गत हितग्राहियों द्वारा नियमानुसर आवदेन कर स्वयं आवास निर्माण किया जाता है,जिसमें वास्तुविदो के द्वारा निरीक्षण कर जियोटेकिंग की जाती है, जिसके आधार पर स्तरबद्ध भुगतान हितग्राही के खाते में चार किस्तों में किया जाता है। इस घटक के तहत 7957 आवासों की स्वीकृति शासन से प्राप्त है। जिसमें 7768 आवास पूर्ण, 189 निर्माणाधीन है। इन्ही निर्माणाधीन आवासों में से 147 आवास ऐसे है, जो पिछले 2-3 वर्षो से शासन से आवास निर्माण हेतु प्राप्त राशि को लेकर भी अपने आवास निर्माण कार्य को अगले स्तर तक नही पहुँचा रहे है। इस प्रकार के आवासो के विरूद्ध एफ्आईआर करने एवं एसडीएम के माध्यम से शासकीय राशि का दुरूप्रयोग करने की धारा के तहत कार्यवाही करने हेतु आयुक्त श्री विश्वकमा ने सक्त निर्देश दिए।

प्रधानमंत्री आवास योजना के द्वितीय चरण 2.0 के तहत वार्डवार अधिक से अधिक प्रचार कर आवास योजना से वंचित परिवारो को योजना से लाभान्वित करने सभी सीएलटीसी एवं वास्तुवीद को निर्देशित किया गया। शासन सें प्राप्त निर्देशानुसार 31 अगस्त 2015 के पूर्व से आबादी भूमि में काबिज परिवार जिसके पास रहवासी होने का किसी भी प्रकार का कोई साक्ष्य हो उन्हें इन योजना से लाभान्वित किया जाना है। ये निर्देश केवल आबादी भूमि पर निवारत परिवारो के लिये है। आयुक्त श्री विश्वकर्मा ने सभी वास्तुविदों से कहा कि बीएलसी के तहत प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 के तहत अब तक 736 आवासो की स्वीकृति प्राप्त हुई है। जिसमें से 8 आवास पूर्ण हो गये है, जिसमें नीव स्तर पर 90 आवास, लेन्टर स्तर पर 87 आवास, छत स्तर पर 92 आवास इस प्रकार कुल 270 आवास विभिन्न स्तरो पर निर्माणाधीन है। छत स्तर पर जो 92 आवास है उन्हे मार्च अंतिम तक पूर्ण करने के निर्देश दिए, जिसकी मानिटरिंग लगातार सीएलटीसी के माध्यम से की जावेगी। साथ ही उन्होंने कहा कि 31मार्च 2026 तक शासन से प्राप्त डीपीआर भेजने के लक्ष्य को पूर्ण करते हुए शेष बचे डीपीआर को शासन की ओर प्रेषित कर लक्ष्य की पूर्ति करे।आयुक्त श्री विश्वकार्म ने आमजन से अपील की है कि प्रधानमंत्री आवास योजन 2.0 के तहत आवश्यक दस्तावेजो आवेदक की फोटो, आवेदक एवं उनकी पत्नी का आधार कार्ड व मतदाता परिचय पत्र, बैक पास बुक, राशन कार्ड, आय प्रमाण पत्र (तहसीलदार द्वारा सत्यापित), भूस्वामी के दस्तावेज आदि दस्तावेज के साथ नगर पालिक निगम के कक्षक्रमांक 19 में कार्यालयीन दिवस में उपस्थित होकर अधिक से अधिक इस योजना का

प्रगतिशील छग सतनामी समाज पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में समाज को एकजुट कर संगठित करने संकल्पित: एल एल कोशले

कवर्धा। प्रगतिशील छग सतनामी समाज के प्रदेश अध्यक्ष मान एल एल कोशले जी, संरक्षक एच एल रात्रे जी, महासचिव मोहन बंजारे, सहसचिव दिनेश बंजारे प्रदेश अध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ प्रदीप श्रृंगी के मार्गदर्शन एवं उपस्थित में जिला कवर्धा में हुआ वृहद सामाजिक समन्वय बैठक। चारों ब्लॉक के पदाधिकारी भारी संख्या सम्मिलित हुए। समाज को संगठित करने एक मंच में काम करने का निर्णय लिया गया। प्रगतिशील छत्तीसगढ़ सतनामी समाज के नियमावली निर्वाचन/मनोनयन पद्धति सहित अपने स्थापना वर्ष से समाज हित में किए जा रहे रचनात्मक सृजनात्मक कार्यों का विस्तृत

जानकारी दी गई।।

गैर राजनीतिक संगठन प्रगतिशील छग सतनामी समाज पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में समाज को संगठित कर समाज को शक्तिवान ,ताकतवर व संगठन में शक्ति है की भावना को लेकर समाज को सम्मान दिलाने के लिए संकल्पित हो कर अपने घर परिवार से दिनोदिन दूर रह कर समाजहित -- संरक्षक श्री ॥ रु रात्रे जी जो रिटायर्ड ष्ट.ष्ट.स्र.चीफ कंजर्वेटर ऑफ फॉरेस्ट (वन विभाग का सर्वोच्च पद)कवर्धा जिले के मजगांव (रणवीरपुर)के निवासी हैं अध्यक्ष श्री एल एल कोशले रिटायर इंजीनियर महासचिव मोहन बंजारे, सहसचिव दिनेश बंजारे प्रदेश अध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ प्रदीप श्रृंगी के मार्गदर्शन एवं उपस्थित में जिला कबीरधाम के चारों ब्लॉक से आये सामाजिक बंधुओं ने सामाजिक समन्वय बैठक में भारी संख्या लगभग (200/250) उपस्थित हुए थे जिसमें प्रगति शील सतनामी समाज के पदाधिकारियों द्वारा संबोधित किया हुए आह्वान किया कि÷संगठन में ही शक्ति है÷ इसलिए समाज को देश प्रदेश में मजबूती प्रदान कराने के लिए संगठन मजबूत करना अतिआवश्यक है।

प्रगतिशील छत्तीसगढ़ सतनामी अपने सामाजिक संगठन के द्वारा किये गये रचनात्मक सृजनात्मक कार्यों का विस्तृत जानकारी दी गई।।

उक्त मीटिंग में कबीरधाम जिले के सतनामी समाज के सर्व श्री रामकुमार भट्ट जी,श्री राधे लाल भास्कर,जी गणपत बघेल जी, अमर कुर्रे जी,विजय घृतलहरे जी,अगम अनंत जी दुर्गा प्रसाद घृतलहरे, भीखम कोसले, टेकसिंह जांगड़े, विशेभट्ट भरत बर्मन, राजेंद्र मार्कण्डेय,बीरेन्द्र जांगड़े , सुधांशु बघेल,राजकुमार बंजारे,सतीश डहरिया,कमलेश लहरे अजय बघेल, खिलेस बंजारे,विकास कुर्रे,जयप्रकाश बंजारे,गौकरण सतनामी एवं सतनामी समाज के बुद्धजीवी सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित हुए और कबीरधाम सतनामी समाज को संगठित करने के लिये सब एकमत होकर सहमति जताई

विकास कार्यों को गति देने हीरा मोती वार्ड का महापौर ने किया दौरा

राजनांदगांव। वार्ड क्रमांक 39 हीरा मोती वार्ड में साफ सफाई एवं विकास कार्य के लिए महापौर श्री मधुसूदन यादव ने दौरा किया। इस दौरान उन्होंने वार्ड के पार्षद श्री रवि सिन्हा के साथ गंजपारा प्राथमिक शाला का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय की आवश्यकताओं एवं उन्नयन से संबंधित विषयों पर पार्षद श्री सिन्हा एवं प्राचार्य श्रीमती रबिया शादाब के साथ गंभीरता से चर्चा करते हुए कई महत्वपूर्ण एवं सारगर्भित निर्णय लिए गए।

महापौर श्री यादव ने विद्यालय में विद्यार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए नए टेबल एवं कुर्सियों की तत्काल व्यवस्था करने, स्कूल को कंप्यूटर उपलब्ध कराने तथा एक स्मार्ट क्लास स्थापित करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। साथ ही जर्जर हो चुके भवन को तोड़ने की कार्यवाही करने संबंधित को निर्देश भी दिए गए, ताकि भविष्य में विद्यार्थियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। दौरे के दौरान वार्ड की अन्य समस्याओं पर भी चर्चा हुई। सागर नगर वाले रोड पर पानी नहीं आने की समस्या के निराकरण हेतु उप अभियंता श्री अनुप पाण्डे को आवश्यक पहल करने के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त वार्ड में सामुदायिक भवन निर्माण के लिए स्थल चयन कर तत्काल लेआउट करने के लिए भी निर्देशित किया गया।पार्षद श्री रवि सिन्हा ने महापौर श्री यादव का वार्ड में आगमन एवं स्कूल तथा वार्ड के समस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु दिए गए निर्देशों के लिए आभार व्यक्त किया। वार्डवासियों ने भी महापौर के इस दौरे को विकास की

राजस्व शिविर में अनुपस्थित दो कोटवार निलंबित

बलौदाबाजार (छत्तीसगढ़ परिदर्शन)। कलेक्टर दीपक सोनी के निर्देशानुसार जिले में राजस्व पखवाड़ा अंतर्गत राजस्व शिविर का आयोजन किया जा रहा है। गुरुवार को सिमगा तहसील के ग्राम कचलोन में आयोजित शिविर में दो ग्रामो के कोटवार अनुपस्थित रहने पर उन्हें निलंबित किया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार एसडीएम सिमगा अतुल शेट्टे ने कचलोन में आयोजित राजस्व पखवाड़ा शिविर का निरीक्षण किया। शिविर में ग्राम कचलोन के कोटवार बृजमोहन मानिकपुरी और ग्राम खण्डुआ के कोटवार गुलाबदास मानिकपुरी अनुपस्थित पाए गए। इसके साथ ही ग्रामीणों द्वारा शिकायत की गई कि कोटवार लगातार ग्राम में अनुपस्थित रहते हैं और अपने कर्तव्यों का पालन नहीं करते हैं। इस पर एसडीएम के निर्देश पर तहसीलदार सिमगा द्वारा तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया

राजस्व शिविर में 362 में से 299 आवेदनों का स्थल पर ही निराकरण

बलौदाबाजार। कलेक्टर दीपक सोनी के निर्देशानुसार जिले में राजस्व पखवाड़ा अंतर्गत राजस्व शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में गुरुवार को 9 क्लस्टर ग्राम पंचायतों में आयोजित शिविर में शिविर में कुल 362 विभिन्न समस्याओं से सम्बधित आवेदन प्राप्त हुए जिसमें से 299 आवेदनों का मौक़े पर ही निराकरण किया गया एवं शेष 63 आवेदनों का जल्द निराकरण के निर्देश दिये गए।

कलेक्टर श्री सोनी के निर्देश पर अपर कलेक्टर एवं एसडीएम शिविर में पहुंच कर जायजा लिये और आवेदनों का गुणवत्तापूर्ण निराकरण के निर्देश दिये। इसके साथ ही विभिन्न दास्तावेजों का वितरण भी किया।प्राप्त जानकारी के अनुसार तहसील बलौदाबाजार में 62 आवेदन में से 57 का निराकरण किया गया। लवन में 42 में से 23, पलारी में 12 में से 1, भाटापारा में 86में से 82, सिमगा में 11में से 10आवेदन, सुहेला में 51में से 47,कसडोल 36 में से 22, टुण्ड्रा में 15 में से 10 आवेदन एवं सोनाखान में सभी 47 आवेदनों का निराकरण किया गया है।

कोनारी के आंगनबाड़ी केंद्र में मनाया गया वजन त्यौहार

बलौदा बाजार । छत्तीसगढ़ में बच्चों के सुपोषण को सुनिश्चित करने के लिए 9 से 18 फरवरी तक सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में वजन त्यौहार धूमधाम से मनाया जा रहा है। इस दौरान 0 से 6 वर्ष के बच्चों का वजन और ऊंचाई नापी जा रही है। जिसका उद्देश्य बच्चों के पोषण स्तर की जांच करना कुपोषण दर को कम करना और अभिभावकों को सही पोषण के प्रति जागरूक करना है। इसी तारतम्य में 12 फरवरी को ग्राम कोनारी के आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक एक में वजन त्यौहार मनाया गया।

आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक एक में आयोजित वजन त्यौहार कार्यक्रम का शुभारंभ जनपद सभापति अश्वनी रजक सरपंच प्रतिनिधि अनूप पाठक सचिव भोजराम

पटेल छत्तीसगढ़ प्रदेश धोबी समाज के प्रदेश मीडिया प्रभारी एवं आईटी सेल प्रदेश अध्यक्ष कमलेश रजक के द्वारा मां सरस्वती की छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं पूजा अर्चना कर किया गया। अमेरा सेक्टर सुपरवाइजर मलिका खान ने कहा कि अभिभावकों में पौष्टिक आहार के प्रति जागरूकता की जरूरत है ताकि कोई बच्चा कुपोषित न रहे। इस आयोजन के माध्यम से जन समुदाय को पोषण संबंधी परामर्श दिया जाता है। उन्होंने संतुलित आहार नियमित जांच एवं स्वच्छता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए माताओ को कुपोषण से बचाव संबंधित आवश्यक जानकारी भी दी गई। साथ ही यह बताया गया कि फरवरी माह से आंगनबाड़ी केंद्रों में भी न्योता भोज का कार्यक्रम प्रारंभ हो गए हैं जो कोई भी इच्छुक हो वह शादी छठी जन्मदिवस की अवसर पर न्योता भोज का आयोजन कर सकते हैं। बताया गया कि अमेरा सेक्टर में कुल 1700 बच्चों में से अब तक 475 बच्चों का वजन हो चुका है। सचिव भोजराम पटेल ने बताया कि शासन के दिशा निर्देशानुसार वजन त्यौहार का आयोजन किया जाता है ताकि बच्चों के पोषण स्तर की नियमित निगरानी हो सके। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजनों से कुपोषण की समय रहते पहचान होती है और आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाए जा सकते हैं। इस दौरान आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक एक के कार्यकर्ता शांति पटेल 02 के कार्यकर्ता सुशीला पटेल 03 के कार्यकर्ता रितु भारद्वाज सहायिका लक्ष्मी चेलक मितानिन संतोषी पटेल रुक्मणी पटेल ग्रामीण सुरेश पटेल गोपी रजक दिनेश सेन प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

धान मूल्य के अंतर की राशि का होली से पहले भुगतान के लिए आभार: द्विवेदी

रायपुर । मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने प्रदेश के किसानों से पारदर्शिता के साथ सफलतापूर्वक 141 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान की खरीदी की है, जिसका समर्थन मूल्य के तहत भुगतान किया जा चुका है। मुख्यमंत्री श्री साय की अध्यक्षता में 11 फरवरी को आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक में होली त्यौहार से पहले किसानों को कृषक उन्नति योजना के तहत अंतर की राशि देने का निर्णय लिया है।

इस पर छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी विपणन संघ के प्राधिकारी श्री शशिकांत द्विवेदी ने स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया है। गौरतलब है कि राज्य सरकार इस वर्ष प्रदेश के 25.24 लाख से अधिक किसानों से 141 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान की खरीदी की है। धान के एवज में मार्कफेड द्वारा किसानों के बैंक खाते में 31 हजार 275 करोड़ रूपए का भुगतान किया गया है। छत्तीसगढ़ सरकार बीते तीन खरीफ विपणन सीजन से किसानों से प्रति एकड़ 21 क्विंटल 3100 रूपए की मान से धान खरीदी कर अपने वायदे को पूरा कर रही है। मंत्री परिषद के इस निर्णय से किसानों में उत्साह का माहौल है। होली त्यौहार के पहले ही अंतर की राशि का भुगतान होने होली त्यौहार की खुशी का उत्साह और दोगुनी हो जाएगी। छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी विपणन संघ के प्राधिकारी श्री शशिकांत द्विवेदी ने जानकारी देते हुए बताया कि कृषक उन्नति योजना के तहत पिछले दो वर्षों में किसानों को 25 हजार करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। उन्होंने इस निर्णय के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय एवं मंत्री परिषद के सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया।

नल जल योजना के संचालन एवं संधारण हेतु एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजन

ग्राम पंचायत सचिव एवं जल समिति सदस्यों को दी गई व्यवहारिक जानकारी

बलौदाबाजार। जनपद पंचायत भवन भाटापारा में गुरुवार को जल जीवन मिशन अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ एवं सतत पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से नल जल योजना के संचालन एवं संधारण विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में ग्राम पंचायत सचिव, जल समिति सदस्य एवं ऑपरेटर को नल जल योजना के प्रभावी संचालन, नियमित संधारण, जल गुणवत्ता की जांच, जल स्रोतों की सुरक्षा, मोटर-पंप एवं पाइपलाइन रखरखाव सहित अन्य तकनीकी एवं व्यवहारिक पहलुओं पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।विशेषज्ञों द्वारा बताया गया कि योजनाओं के सुचारू संचालन एवं दीर्घकालीन स्थायित्व के लिए स्थानीय स्तर पर जिम्मेदारी और सामुदायिक सहभागिता अत्यंत आवश्यक है। साथ ही जल संरक्षण एवं जल के सदुपयोग पर भी विशेष जोर दिया गया।कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों से संवाद कर उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया गया तथा उन्हें अपने-अपने ग्रामों में योजना के बेहतर क्रियान्वयन हेतु प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में जनपद सीईओ हिमांशु वर्मा, पीएचई के सहायक अभियंता कन्हैया लाल देवांगन सब इंजीनियर संदीप लॉरेंस जिला परियोजना समन्वयक राजकुमार कोसले एवं मंजू गायकवाड़ उपस्थित रहे।

हाट बाजार की दुकानो पर निगम ने जड़ा ताला

राजनांदगांव। वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर सत प्रतिशत राजस्व वसूली के लिए नगर निगम राजस्व वसूली में कडाई बरत रही है। जिसके लिए जहॉ दुकानो की बकाया प्रीमियम तथा दुकान किराया पर संबंधित को नोटिस जारी कर सीलबंदी की कार्यवाही कर रही है, वही सम्पत्तिकर, जलकर, समेकितकर के बडे बकायादारों को भी नोटिस जारी कर भुगतान नही करने की स्थिति में नल कनेक्शन काटने की कार्यवाही की जायेगी। कार्यवाही की कडी में आज हाट बाजार व्यवसायिक परिसर के प्रथम तल की 14 दुकाने जिनकी बकाया प्रीमियम को देखते हुए सील करने की कार्यवाही की गयी।

वित्तीय वर्ष समाप्ति के अंतिम माह में लक्ष्य के अनुरूप राजस्व वसूली के लिये निगम द्वारा जोर दिया जा रहा है, निगम आयुक्त श्री अतुल विश्वकर्मा, राजस्व विभाग की प्रतिदिन मानिटरिंग कर रहे है और सत प्रतिशत वसूली के लिए बकायादारो को नोटिस जारी कर कार्यवाही के निर्देश दे रहे है। निर्देश के अनुक्रम में राजस्व अधिकारी श्री राजेश तिवारी के नेतृत्व में निगम का अमला बडे बकायादारो को नोटिस जारी कर बकाया करो का

भुगतान नही करने की स्थिति में कार्यवाही कर रही है। आज की कार्यवाही में हाट बाजार व्यवसायिक परिसर के प्रथम तल मे निर्मित 20 दुकानो की विधिवत नीलामी की गयी थी, नीलामी उपरांत प्रक्रिया कर दुकानदारो को प्रीमियम की राशि जमा करने कहा गया। जिस पर भूतल के 20 दुकानदारो एवं प्रथम तल के 6 दुकानदारो ने प्रीमियम जमा किया तथा शेष 14 दुकानदारो ने राशि जमा नही की, जिन्हे प्रीमियम जमा नही करने पर नोटिस जारी की गयी। बार बार नोटिस प्रेषित किये जाने के उपरांत भी बकाया प्रीमियम राशि जमा नही करने पर आज राजस्व अधिकारी श्री तिवारी सहित राजस्व निरीक्षक श्री हितेश ठाकुर एवं राजस्व उप निरीक्षक श्री राजकुमार बंजारे व निगम का राजस्व अमला उपरोक्त 14 दुकाने सील करने की कडी में ताला जडने की कार्यवाही किये।

कार्यवाही के संबंध में राजस्व अधिकारी श्री तिवारी ने बताया कि हाटा बाजार व्यवसायिक परिसर की भूतल में 20 व प्रथम तल में 20 दुकानों का निर्माण किया गया है जिसकी विधिवत प्रक्रिया कर नीलामी की गयी। नीलामी उपरांत प्रीमियम राशि जमा करने नोटिस जारी किया गया। जिसके एवज में भूतल की 20 दुकान तथा प्रथम तल की 6 दुकान के दुकानदारो ने निगम कोष में प्रीमियम राशि जमा किए किन्तु प्रथम तल की 14 दुकानदारो ने बार बार नोटिस देने के बाद भी बकाया प्रीमियम राशि 37 लाख 12 हजार 7 सौ 11 रूपये की राशि का भुगतान नही

प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सवः भावी महापौर, उपमहापौर सहित नवनिर्वाचित नगरसेवक शामिल

n विकास को शक्ति देने के लिए जनप्रतिनिधियों ने की प्रार्थना

छत्रपति संभाजीनगर। राजाबाजार स्थित खंडेलवाल दिगंबर जैन पंचायत के पार्श्वनाथ मंदिर में भगवान शांतिनाथ की मूर्ति का 47वां प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव सोमवार को पूरी श्रद्धा और उत्साह से मनाया गया. इसमें शहर के विधायक, भावी महापौर, उपमहापौर सहित सभी दलों के नवनिर्वाचित नगरसेवक शामिल हुए.

कार्यक्रम में सकल जैन समाज के अध्यक्ष राजेंद्र दर्डा ने भावी महापौर समीर राजूरकर, उपमहापौर राजेंद्र जंजाल सहित सभी दलों के नवनिर्वाचित नगरसेवकों का स्वागत किया. इस अवसर पर बहुजन कल्याण मंत्री अतुल सावे तथा पूर्व न्यायमूर्ति कैलाशचंद चांदीवाल उपस्थित थे. राजेंद्र दर्डा ने बताया कि वर्ष 1979 में आचार्य सिद्धसेनसागर महाराज के मार्गदर्शन में मंदिर में भगवान शांतिनाथ की मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा की गई थी. इसके लिए शहर के कुछ परिवारों ने पहल की थी. आज उन परिवारों की अगली पीढ़ियां भी इस सामाजिक और धार्मिक कार्य से जुड़ गई हैं. उस समय जैन समाज के परिवारों की संख्या कम थी, लेकिन आज जैन समाज एक वटवृक्ष का रूप ले चुका है.

कार्यक्रम में महावीर ठोले, एड यतीन ठोले, किरण पहाड़े, संतोष सेठी, संजय पहाड़े, कविता अजमेरा, विलास साहुजी, संजय संचेती, अमोल मोगले, डॉ प्रकाश झांबड़, विलास जोगी, कौशिक सुराणा ने

छत्रपति संभाजीनगर में सोमवार को राजाबाजार स्थित खंडेलवाल दिगंबर जैन पंचायत द्वारा आयोजित भगवान शांतिनाथ की मूर्ति के 47वें प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव में सकल जैन समाज के अध्यक्ष राजेंद्र दर्डा. साथ हैं मंत्री अतुल सावे, जैन पंचायत के अध्यक्ष महावीर पाटनी, भावी महापौर समीर राजूरकर, पूर्व न्यायाधीश कैलाशचंद चांदीवाल.

विशेष योगदान दिया.

सर्वदलीय नगरसेवकों का सम्मान कार्यक्रम में नवनिर्वाचित नगरसेवक राजू वैद्य, त्र्यंबक तुपे, अनीता मानकापे, नंदलाल गवली, अर्चना नीलकंठ, महेश मालवदकर, सुमित्रा मात्रे, गोविंद केंद्रे, नवीन ओबेरॉय, सचिन स्वैरे, किशोर नागरे, माधुरी अदवंत, कमल थोरात, शोभा बुराड़े का सम्मान किया गया. जैन मंदिर साल भर धार्मिक और सामाजिक कार्य करते हैं

शहर के विकास में सकल जैन समाज का बहुत बड़ा योगदान है. जैन मंदिरों के माध्यम से साल भर बड़े धार्मिक और सामाजिक कार्य होते रहते हैं. हम शांतिनाथ भगवान के चरणों में यह प्रार्थना करते हैं कि एक विकसित शहर बनाने के लिए हम सभी जनप्रतिनिधियों को शक्ति प्रदान करें. - अतुल सावे, बहुजन कल्याण मंत्री। नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद

असहाय बुजुर्गों की सेवा मातृ पितृ पूजन के समान है: चन्द्रेश शाह

n भगवान महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव समिति के अध्यक्ष ने श्रवण यन्त्र वितरण किया

रायपुर। जैन संवेदना ट्रस्ट द्वारा 28 बुजुर्गों को सुनने के लिए कान की मशीन का वितरण किया गया है । जैन संवेदना ट्रस्ट के महेन्द्र कोचर , विजय चोपड़ा व भगवान महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव समिति के अध्यक्ष चन्द्रेश शाह ने कम सुनाई देने की समस्या को दूर करने बुजुर्गों को श्रवण यन्त्र का वितरण किया ।

इस अवसर पर सकल जैन समाज की जन्मकल्याणक समिति के अध्यक्ष चन्द्रेश शाह ने कहा कि सभी बुजुर्गों को माता पिता के समान समझना चाहिए । कम सुनाई देने की समस्या से जूझ रहे बुजुर्गों की सेवा माता पिता की पूजा के समान है । बुजुर्गों के अलावा बच्चों को भी कम सुनाई देने की समस्या होती है । कोचर व चोपड़ा ने बताया कि कुछ बच्चों को जन्म से सुनाई नही देता है ऐसे बच्चे बोलना भी आरम्भ नही कर पाते । 5 वर्ष से बड़े बच्चों को भी विशेष प्रकार के श्रवण यन्त्र दिए गए हैं जिससे वे पहली बार सुन सके व माँ शब्द का उच्चारण किया यह बड़ा भावुक पल था । जैन संवेदना ट्रस्ट के महेन्द्र कोचर व विजय चोपड़ा ने बताया कि विगत 15 वर्षों से बुजुर्गों की सेवा का अभियान चलाया जा रहा है इस सप्ताह भी बुजुर्गों व बच्चों को श्रवण यन्त्र वितरित की गई है । विगत वर्षों से अब तक 10100 श्रवण यन्त्र का वितरण किया गया । जिन बच्चों बुजुर्गों को कम सुनाई देता है वे आड़ियोमैट्री जांच करवा कर महेन्द्र कोचर 9301056004 व विजय चोपड़ा 9301739494 की सम्पर्क कर सकते हैं।

दो दिगम्बर संतों का मिलन देख भावुक हुए श्रद्धालु,जैन समाज ने कराया मंगल प्रवेश

n युवाओं ने जैन धर्म के नारों से वातावरण किया गुंजायमान

बोलखेड़ा। सकल दिगंबर जैन समाज कामवन कामां के द्वारा बड़े भक्ति भाव के साथ दो दिगंबर संतो का अदभुत मिलन कामवन के डीग गेट पर कराया गया तो उपस्थित श्रद्धालु भावुक को उठे और इस मंगल मिलन को देखकर स्वयं को धन्य समझने लगे।

जैन समाज के अध्यक्ष अनिल जैन ने बताया कि कामा तहसील के ग्राम बोलखेड़ा में आयोजित पंचकल्याणक हेतु आचार्य विद्यासागर महाराज के परम प्रभावक शिष्य मुनि प्रणम्य सागर महाराज का मंगल विहार चल रहा है। इसी दौरान सेऊ गांव से पद विहार करते हुए गुरुवार को कामवन नगरी में मंगल पदार्पण हुआ तो पूर्व में विराजमान आचार्य विनीत सागर महाराज, मुनि अर्पण सागर महाराज ने डीग गेट पर पहुंचकर वात्सल्य भाव के साथ संत मिलन किया। इस अद्भुत संत मिलन के दृश्य को देखकर सभी बड़े ही हर्षित हुए तो दोनों संतों ने एक दूसरे को गले लगाकर बैंड बाजो के साथ कामां नगर में मंगल प्रवेश किया।

इस अवसर पर नगर पालिका, मुख्य बाजार, लाल दरवाजे होते हुए जुलूस निकाला गया तो युवाओं ने जैन धर्म के नारों से वातावरण को गुंजायमान कर दिया। प्रवेश के दौरान जैन श्रावकों ने दोनों संत संघो की पाद प्रक्षालन व आरती कर जगह-जगह मंगल आगवानी की। इस अवसर पर मुनि प्रणम्य सागर महाराज ने कहा कि पुण्यशाली को ही ऐसे दृश्य देखने का मौका मिलता है।

अतः सभी धार्मिक क्रियाओं व सन्त सानिध्य में अपना समय व्यतीत करना चाहिए।

अध्यक्ष एवं आयुक्त ने की योजनाओं और शाखाओं की समीक्षा कर कार्य पूर्ण करने दिए निर्देश

n छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल ने 22वें स्थापना दिवस मनाया

रायपुर। छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल ने 12 फरवरी को अपना 22वाँ स्थापना दिवस मनाया। राज्य गठन के पश्चात 12 फरवरी 2004 को मंडल का पुनर्गठन किया गया था। पुनर्गठन के बाद से अब तक मंडल द्वारा निर्मित कुल 01 लाख आवासों/संपत्तियों में से लगभग 75 प्रतिशत आवास कमजोर एवं निम्न आय वर्ग के हितग्राहियों के लिए निर्मित किए गए हैं। स्थापना दिवस के अवसर पर हाउसिंग बोर्ड अध्यक्ष श्री अनुराग सिंह देव एवं आयुक्त श्री अवनीश शरण (आई.ए.एस.) द्वारा मंडल की समस्त शाखाओं के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अध्यक्ष अनुराग सिंह देव ने हाउसिंग बोर्ड परिवार को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए मंडल के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने अधिकारियों को निरंतर बेहतर कार्य करने तथा हितग्राहियों को किफायती दरों पर गुणवत्तापूर्ण आवास उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। साथ ही, उन्होंने सभी चल रही योजनाओं की विस्तृत समीक्षा करते हुए उनके प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन पर जोर दिया। उन्होंने समीक्षा बैठक में रिव्यु, रिफार्म और रेवोलुशन करने की बात कही। अध्यक्ष ने कहा कि कई वर्षो से रिक्त संपत्तियों में से 70त्न संपत्तियों का विक्रय किया जा चूका है, शेष बची 30त्न संपत्ति के विक्रय हेतु एक नयी पालिसी/प्लान तैयार करे जिसमे रिक्त भवनों के मरम्मत आदि शामिल हो, ताकि रिक्त संपत्तियों का विक्रय जल्द से जल्द किया जा सके।

छग के 56 एसएचजी, एनआरएलएम, डेयरी किसान प्रतिनिधि गुजरात के लिए रवाना

रायपुर। नवा रायपुर- बस्तर संभाग के महिला स्व- सहायता समूह, आजीविका मिशन एवं डेयरी किसान प्रतिनिधिगण कुल 22 महिला व पुरुष प्रतिभागीगण तथा कवर्धा जिले के कुल 34 महिला व पुरुष प्रतिनिधि आज बनासकाठा गुजरात के एक्सपोजर विजिट के लिए रवाना हुए। नवा रायपुर तथा कवर्धा में उप मुख्यमंत्री माननीय विजय शर्मा तथा माननीय केदार कश्यप वन, सहकारिता व परिवहन मंत्री द्वारा इस अध्ययन यात्रा के लिए सभी चयनित प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देकर गुजरात के लिए रवाना किये। गुजरात मे दुग्ध संग्रहण, प्रसंस्करण व अमूल डेयरी का भ्रमण करेंगे। नेशनल डेयरी बोर्ड, बनासकाठा डेयरी तथा अमूल सहकारिता छेत्र के अमूल डेयरी प्रसंस्करण का भ्रमण कार्यक्रम 12.02.2026 से 18.02.2026 तक है।

सभापति सूर्यकांत राठौड़ ने दिये निर्देश

जल बोर्ड के अधिकारी प्रतिदिन फील्ड में घूमकर जल समस्या का करें निरीक्षण

रायपुर । आज नगर पालिक निगम रायपुर मुख्यालय महात्मा गांधी सदन में सभापति श्री सूर्यकांत राठौड़ ने नगर निगम जलकार्य विभाग अध्यक्ष श्री संतोष सीमा साहू की विशेष उपस्थिति में नगर निगम रायपुर में नवगठित जलबोर्ड में सम्मिलित अधिकारियों नगर निगम अधीक्षण अभियंता श्री राजेश राठौर, कार्यपालन अभियंता जल श्री नर सिंग फरेन्द्र, कार्यपालन अभियंता श्री अंशुल शर्मा जुनियर, सहायक अभियंता श्री अनुराग पाटकर, उपअभियंता सर्वश्री रमेश पटेल, योगेन्द्र साहू, शुभम तिवारी की उपस्थिति में नगर निगम जल बोर्ड के कार्य दायित्वो एवं गतिविधियों को लेकर आवश्यक बैठक कार्यालय कक्ष में ली एवं गर्मी की पूर्व तैयारियों की समीक्षा कर जलबोर्ड के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये। सभापति ने जल बोर्ड अधिकारियों को रायपुर नगर निगम क्षेत्र की सभी लगभग 46 पानी टंकियो और जलागारो में प्रतिदिन सुबह शाम जल का पूर्ण भराव नियमित सतत मॉनिटरिंग कर सुनिश्चित करने निर्देशित किया है ताकि नगर वासियों को गर्मी में पर्याप्त प्रेशर से पेयजल आपूर्ति सतत की जा सके। सभापति ने जलबोर्ड के अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे प्रतिदिन नियमित रूप से शहर के विभिन्न जोनो के विभिन्न वार्डो में सुबह 6 बजे से और शाम 6 बजे से 1 घंटे फील्ड में रहकर पाईप लाईनो का सर्वे कर जल समस्या निरीक्षण कर उसका त्वरित निदान स्थल पर करवाने कार्यवाही करें। ताकि पेयजल वितरण व्यवस्था सुव्यवस्थित रूप से गर्मी में निरंतर जारी रहें ।

धर्मः जैन समाज ने निकाली स्वर्ण कलश शोभायात्रा

n तारण तरण दिग. जैन चैत्यालय का तीन दिवसीय वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव

जबलपुर। संस्कारधानी जबलपुर के शुकवारी बजरिया जबलपुर में बने सुंदर एवं मनोहारी तीन वेदी सहित शिखरों से सुशोभित श्री तारण तरण दिगंबर जैन चैत्यालय का तीन दिवसीय वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव आज शुक्रवार 13 फरवरी से प्रारंभ होगा जो रविवार 15 फरवरी तक चलेगा। मांगलिक प्रसंग पर गुरुवार को नगर में स्वर्ण कलश सहित घट यात्रा निकाली गई जिसमें बड़ी संख्या में समाज बंधुओं ने हिस्सा लेकर जिनशासन की मंगल प्रभावना की। मंगलगान एवं जयघोष करते हुए शोभायात्रा का शुभारंभ सौभाग्यशाली परिवारों के निवास से हुआ जो कार्यक्रम स्थल पुष्पवती नगरी समवशरण मंडप फूटाताल पहुंचीं जहां सौभाग्यशाली परिवारों द्वारा स्वर्ण कलशों को समाज को समर्पित किया गया। आपको बता दें वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव को लेकर सकल तारण समाज सहित वेदी सूतन कर्ता रामडिम मूरी परिवार में अपार उत्साह है, जिनके मंगल आमंत्रण पर प्रदेश सहित पूरे देश से गुरुभक्त त्यागी व्रती साधकगण, श्रेष्ठिगण सहित श्रावक - श्राविकाएं संस्कारधानी पधार चुके हैं, जो वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव में हिस्सा लेकर आत्मा से परमात्मा बनने का मार्ग प्रशस्त करेंगे।

आज के कार्यक्रमः मीडिया प्रभारी दीपक राज जैन एवं जिनधर्म प्रभावक नितिन जैन ने बताया कि मंगल महोत्सव के प्रथम दिवस आज शुक्रवार 13 फरवरी के शुभ दिन प्रातः काल 5 बजे से सामयिक, ध्यान एवं प्रभात फेरी, 7 बजे से मंत्र जप।

असहाय बुजुर्गों की सेवा मातृ पितृ पूजन के समान है: चन्द्रेश शाह

रायपुर । जैन संवेदना ट्रस्ट द्वारा 28 बुजुर्गों को सुनने के लिए कान की मशीन का वितरण किया गया है । जैन संवेदना ट्रस्ट के महेन्द्र कोचर , विजय चोपड़ा व भगवान महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव समिति के अध्यक्ष चन्द्रेश शाह ने कम सुनाई देने की समस्या को दूर करने बुजुर्गों को श्रवण यन्त्र का वितरण किया । इस अवसर पर सकल जैन समाज की जन्मकल्याणक समिति के अध्यक्ष चन्द्रेश शाह ने कहा कि सभी बुजुर्गों को माता पिता के समान समझना चाहिए । कम सुनाई देने की समस्या से जूझ रहे बुजुर्गों की सेवा माता पिता की पूजा के समान है । बुजुर्गों के अलावा बच्चों को भी कम सुनाई देने की समस्या होती है । कोचर व चोपड़ा ने बताया कि कुछ बच्चों को जन्म से सुनाई नही देता है ऐसे बच्चे बोलना भी आरम्भ नही कर पाते । 5 वर्ष से बड़े बच्चों को भी विशेष प्रकार के श्रवण यन्त्र दिए गए हैं जिससे वे पहली बार सुन सके व माँ शब्द का उच्चारण किया यह बड़ा भावुक पल था । जैन संवेदना ट्रस्ट के महेन्द्र कोचर व विजय चोपड़ा ने बताया कि विगत 15 वर्षों से बुजुर्गों की सेवा का अभियान चलाया जा रहा है इस सप्ताह भी बुजुर्गों व बच्चों को श्रवण यन्त्र वितरित की गई है। विगत वर्षों से अब तक 10100 श्रवण यन्त्र का वितरण किया गया । जिन बच्चों बुजुर्गों को कम सुनाई देता है वे आड़ियोमैट्री जांच करवा कर महेन्द्र कोचर 9301056004 व विजय चोपड़ा 9301739494 की सम्पर्क कर सकते हैं ।

उपमुख्यमंत्री शर्मा ने शैक्षणिक भ्रमण के लिए बस को दिखाई हरी झंडी

रायपुर। उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने आज कवर्धा के समनापुर पुल के पास से डेयरी कोऑपरेटिव एवं अमूल डेयरी कोऑपरेटिव बनासकाठा गुजरात के शैक्षणिक भ्रमण पर जाने वाले पशुपालकों और बिहान की दीदियों की बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने बस में पहुंचकर बिहान समूह की दीदियों एवं पशुपालकों से आत्मीय संवाद किया तथा भ्रमण के उद्देश्य और अपेक्षित सीख के संबंध में चर्चा की। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने सभी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे बनासकाठा जाकर वहां की उन्नत व्यवस्थाओं को गंभीरता से देखें, समझें और सीखें। यह भ्रमण केवल देखने भर का कार्यक्रम नहीं है, बल्कि सीखने और उसे लागू करने का अवसर है। उन्होंने प्रतिभागियों से कहा कि वे वहां के सफल डेयरी मॉडल, प्रबंधन प्रणाली और तकनीकी नवाचारों का गहन अध्ययन कर जिले में दुग्ध उत्पादन एवं आजीविका संवर्धन के क्षेत्र में सकारात्मक परिवर्तन लाने में योगदान दें। उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने बताया कि इस शैक्षणिक भ्रमण से प्रतिभागियों को उन्नत पशुपालन तकनीक, संतुलित चारा विकास, डेयरी कोऑपरेटिव की अवधारणा, दुग्ध संकलन एवं प्रसंस्करण प्रणाली, गुणवत्ता नियंत्रण, डेयरी उत्पाद निर्माण तथा विपणन व्यवस्था के संबंध में व्यवहारिक ज्ञान प्राप्त होगा। साथ ही उन्हें यह भी समझने का अवसर मिलेगा कि किस प्रकार सहकारी मॉडल के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि उपमुख्यमंत्री व कवर्धा विधायक श्री विजय शर्मा के विशेष प्रयासों से कबीरधाम जिले के 17 बिहान समूह (एनआरएलएम) की दीदियां एवं 17 पशुपालक इस शैक्षणिक भ्रमण में शामिल हो रहे हैं।

23 फरवरी से 2 मार्च तक भव्य पंचकल्याणक महोत्सव का आयोजन

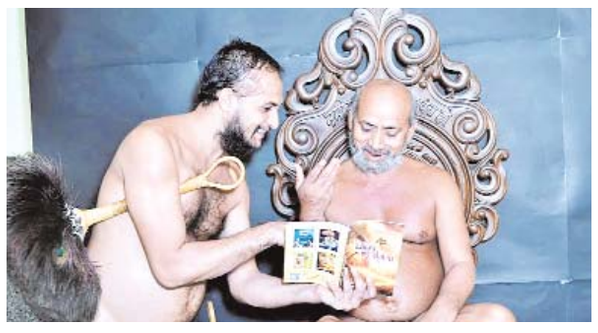

सलेहा (म.प्र)। सलेहा नगर के लिए अत्यंत हर्ष और गौरव का विषय है कि परम पूज्य आचार्य भगवन पट्टाचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज का मंगल प्रवेश सलेहा नगर में होने जा रहा है। आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज के पावन आशीर्वाद एवं मंगल सान्निध्य में सलेहा नगर (म.प्र) में 23 फरवरी 2026 से 2 मार्च 2026 तक भव्य पंचकल्याणक महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। यह ऐतिहासिक आयोजन विन्ध्यश्री माता जी की पावन प्रेरणा एवं दृढ़ संकल्प का साकार रूप है।

आचार्य श्री विशुद्ध सागर महाराज जी के आगमन से समूचा क्षेत्र धर्ममय वातावरण से ओत-प्रोत हो उठा है। श्रद्धालुओं में अपार उत्साह देखा जा रहा है तथा नगर को भव्य रूप से सजाया जा रहा है। आचार्य श्री के मंगल प्रवचन एवं सान्निध्य से समाज को आध्यात्मिक ऊर्जा एवं मार्गदर्शन प्राप्त होगा। मुनि श्री सर्वार्थ सागर जी-

आ से 35 वर्ष पूर्व वसंत की बहार में एक भावी संत का जन्म हुआ था,जिसको पाकर परिजन ही नही नगर का जन जन मुस्कुराया था और वह वसुधा थी पन्ना नगर के समीप बसे ग्राम सलेहा (म. प्र) की। सौभाग्य शाली दंपत्ति श्रीमान प्रमोद जी जैन एवं श्रीमति सुशीला जी जैन के आंगन में फिर एक बार खुशियां छाई थी।

1 फरबरी 1991 को जब तीसरी संतान के रूप में पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई थी, और उस सुंदर बालक का माता पिता ने नाम रखा अर्पित , भला उस समय कौन जानता था कि एक दिन अर्पित जिनशासन को समर्पित हो जाएगा, बड़े भाई और बड़ी बहिन का लाडला प्यारा छोटा भाई अर्पित बाल्यकाल से ही अत्यंत कुशाग्र बुद्धि का धनी था। घर के सभी काम अग्रणी होकर जो करते थे, चारों भाई बहन के खेल कूद हल चल से घर का वातावरण खुशियों से भरा रहता था।

विचित्र बाते प्रणेता सर्वार्थ सागर महाराज जी की परम भक्त मनाली पाटणी जी ने कहा की मेरे जीवन की सबसे बड़ी पूँजी मेरी गुरुभक्ति है, और उस भक्ति का केन्द्र मुनि श्री सर्वार्थ सागर जी हैं। वे केवल मेरे गुरु नहीं, बल्कि मेरे जीवन की वह शक्ति हैं जो मुझे भीतर से संभालती है, टूटते हुए मन को सहारा देती है और अंधकार में भी प्रकाश का मार्ग दिखाती है।उनके प्रवचनों में केवल उपदेश नहीं, बल्कि माँ जैसी ममता और पिता जैसी दृढ़ता समाहित है। उनके चरणों में बैठकर ऐसा अनुभव होता है मानो जीवन की सारी उलझनें स्वतः सुलझ जाती हों। मैं स्वयं को अत्यंत सौभाग्यशाली मानती हूँ कि मुझे ऐसे गुरुदेव का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ, जिनका प्रत्येक क्षण लोककल्याण और आत्मकल्याण के लिए समर्पित है।

भनपुरी में निकली श्रीमद् भागवत महापुराण कथा की भव्य कलश यात्रा

बीरगांव। गुरुवार को भनपुरी में श्रीमद् भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ सप्ताह कथा का भव्य कलश यात्रा निकाली गई जिसमें हजारों की संख्या में भक्तगण शामिल हुए वही यह कलश यात्रा कथा स्थल से निकलकर भनपुरी महामाया मंदिर से होते हुए क्षेत्र का भ्रमण कर कथा स्थल में कलश की स्थापना हुई इसके बाद श्रीमद् भागवत महापुराण कथा की शुरुआत हुई वही यह कथा 12 फरवरी से प्रारंभ होकर 19 फरवरी को यह कथा विश्राम होगी।

पर्यटन मंडल के अध्यक्ष नीलू शर्मा ने किया भोरमदेव कॉरिडोर निर्माण कार्य का निरीक्षण

- निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के दिए निर्देश

रायपुर। उज्जैन एवं बनारस की तर्ज पर विकसित किए जा रहे भोरमदेव कॉरिडोर का निर्माण कार्य तेज गति से किया जा रहा है। ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व वाले भोरमदेव मंदिर क्षेत्र को एक सुव्यवस्थित, आकर्षक और विश्वस्तरीय पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में यह परियोजना मील का पत्थर साबित होगी। भोरमदेव कॉरिडोर के भूमिपूजन के पश्चात छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के अध्यक्ष श्री नीलू शर्मा (कैबिनेट मंत्री दर्जा) ने निर्माण स्थल पर पहुंचकर कार्य की प्रगति का निरीक्षण किया। उन्होंने विभागीय अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसी की टीम के साथ पूरे परिसर का विस्तृत अवलोकन किया और निर्माण कार्य की गुणवत्ता, डिजाइन तथा समय-सीमा की बारीकी से समीक्षा की।

निरीक्षण के दौरान अध्यक्ष श्री नीलू शर्मा ने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि भोरमदेव कॉरिडोर का निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा में हर हाल में पूर्ण किया जाए और गुणवत्ता के साथ किसी भी प्रकार का समझौता न किया जाए। उन्होंने कहा कि भोरमदेव कॉरिडोर छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और धार्मिक पहचान को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। श्री शर्मा ने कहा कि जिस प्रकार उज्जैन महाकाल लोक और बनारस कॉरिडोर ने धार्मिक पर्यटन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है, उसी तर्ज पर भोरमदेव कॉरिडोर भी छत्तीसगढ़ के पर्यटन मानचित्र पर एक नई पहचान बनाएगा। इससे श्रद्धालुओं और पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी तथा भोरमदेव क्षेत्र की भव्यता और गरिमा और अधिक निखरेगी। श्री शर्मा ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्य की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए और पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखी जाए। साथ ही स्थानीय जरूरतों, पर्यावरण संरक्षण और श्रद्धालुओं की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए कार्य किया जाए। पर्यटन मंडल अध्यक्ष ने यह भी कहा कि भोरमदेव कॉरिडोर के पूर्ण होने से क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

एमएसएमई समाधान पोर्टल पर लंबित मामलों और भुगतान में देरी को लेकर सांसद बृजमोहन ने सरकार से मांगा जवाब

नई दिल्ली। रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने लोकसभा में देश और विशेषकर छत्तीसगढ़ के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (स्न्स्स्ध) की ज्वलंत समस्याओं को पूरी प्रखरता के साथ उठाया। श्री अग्रवाल ने %समाधान पोर्टल% के माध्यम से उद्यमियों के रुके हुए भुगतानों और आवेदनों के निपटान में हो रही देरी पर सरकार से सीधा सवाल किया।सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने सदन में पूछा कि समाधान पोर्टल पर दर्ज मामलों का वर्तमान अनुपात क्या है और छत्तीसगढ़ सहित अन्य राज्यों में आवेदन स्वीकार करने में देरी के मुख्य कारण क्या हैं। उन्होंने विशेष रूप से छत्तीसगढ़ के राइस मिल मालिकों की शिकायतों और उनके लंबित भुगतानों का डेटा भी मांगा। केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम राज्य मंत्री सुश्री शोभा करांदलाजे ने बताया कि, छत्तीसगढ़ राज्य में अब तक 2,788 मामले दर्ज किए गए हैं। वहीं, राइस मिलिंग गतिविधि के तहत 19 विशिष्ट आवेदन दर्ज हैं। देशभर में अब तक कुल 2,56,892 आवेदन आए हैं, जिनमें से 1,57,997 का निपटान किया जा चुका है। सरकार ने बताया कि 15 अक्टूबर 2025 से मामलों के और भी त्वरित निपटान के लिए नया स्न्स्स्ध ह्ल्ष्क्र पोर्टल शुरू किया गया है। सांसद श्री अग्रवाल द्वारा वैधानिक समय-सीमा के अनुपालन पर उठाए गए सवाल का सकारात्मक असर यह हुआ कि मंत्रालय ने छत्तीसगढ़ में विश्व बैंक की सहायता प्राप्त रैम्प योजना के तहत बुनियादी ढांचे और मानव संसाधन को सुदृढ़ करने की जानकारी दी। सरकार ने स्पष्ट किया कि छत्तीसगढ़ के उद्योग निदेशालय ने अब पुराने मामलों को प्राथमिकता देने और कॉज लिस्ट ट्रैकिंग जैसे सख्त उपाय लागू किए हैं ताकि उद्यमियों का पैसा न फंसे। श्री बृजमोहन अग्रवाल ने दिवालियापन कार्यवाही के दौरान एमएसएमई के डूबते कर्ज पर भी चिंता जताई। इस पर मंत्रालय ने आश्वस्त किया कि दिवालियापन संहिता 2016 के तहत एमएसएमई को परिचालन लेनदार के रूप में सुरक्षा दी जा रही है। सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि, हमारी प्राथमिकता है कि छत्तीसगढ़ का छोटा उद्यमी और राइस मिलर्स बिचौलियों या सरकारी लेटलतीफी का शिकार न हों। समाधान पोर्टल की कमियों को दूर कराना और प्रदेश के व्यापारिक हितों की रक्षा करना मेरा संकल्प है। इस सफल हस्तक्षेप के लिए छत्तीसगढ़ के व्यापारिक संगठनों और एमएसएमई संघों ने सांसद बृजमोहन अग्रवाल का आभार व्यक्त किया है।

आईसीएआई के परीक्षा परिणाम घोषित, गौरव शर्मा को छत्तीसगढ़ में पहली रैंक

रायपुर। इंस्टिट्यूट ऑफ़ कॉस्ट अकाउंटेंट ऑफ़ इंडिया द्वारा आज ष्टरू स्नढ्ढहृरु (कॉस्ट अकाउंटेंट फाइनल) के परिणाम घोषित कर दिए गए। घोषित परिणाम अनुसार दुर्ग के गौरव शर्मा ने 519 अंकों के साथ छत्तीसगढ़ में प्रथम स्थान प्राप्त किया। गौरव ने प्रदेश में पहला और देश में 32 वां स्थान प्राप्त कर प्रदेश को गौरवान्वित किया है। गौरव ने अपनी सफलता का श्रेय अपने परिवार एवं शिक्षकों को दिया है। इनके परिवार में पिता श्री शिव चरण शर्मा ,माता श्रीमती छाया शर्मा तथा बहन मंजरी शर्मा हैं। गौरव को इस पेशेवर पाठ्यक्रम में आगे बढ़ने की प्रेरणा अपने मामा तथा छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी में कार्यरत उप महाप्रबंधक वित्त श्री अजय कुमार शर्मा से मिली जो स्वयं भी कॉस्ट अकाउंटेंट हैं।

श्री गौरव शर्मा ने बताया कि उन्होंने अपनी तैयारी निरंतर जारी रखी और सभी विषयों का रिवीजन करते हुए सभी आठ विषयों के लगातार मॉक टेस्ट दिया। वे अभी चार्टर्ड अकाउंटेंट एवं सिविल सर्विस की परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं।

छत्तीसगढ़ को विकसित बनाने के लिए संकल्पित होकर काम कर रही हमारी सरकारः मुख्यमंत्री

- सिक्किम से अध्ययन भ्रमण पर आए पत्रकारों ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात

रायपुर । छत्तीसगढ़ प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर प्रदेश है और धन-धान्य से पुष्पित-पल्लवित इस धरा को हमारी सरकार सुंदर, समृद्ध, सुरक्षित और विकसित बनाने के लिए संकल्पित होकर काम कर रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज अपने निवास कार्यालय में सिक्किम राज्य से अध्ययन भ्रमण पर पहुंचे पत्रकारों के दल से मुलाकात कर आत्मीय संवाद किया और उनसे छत्तीसगढ़ को लेकर ढेर सारी बातें साझा की। उन्होंने सभी अतिथियों को राजकीय गमछा भेंट कर छत्तीसगढ़ में स्वागत और अभिवादन किया। मुख्यमंत्री की सहृदयता और आतिथ्य पाकर सभी पत्रकार अभिभूत हुए और उन्हें सिक्किम आने का निमंत्रण भी दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ 44 प्रतिशत वन क्षेत्र से आच्छादित है तथा यहां 31 प्रतिशत आदिवासी समुदाय निवासरत है। वनोपज संग्रहण और मूल्य संवर्धन के माध्यम से जनजातीय समुदाय आर्थिक रूप से सशक्त हो रहे हैं। जशपुर जिले में स्व-सहायता समूह की महिलाएं 'जशप्योर' ब्रांड के अंतर्गत उत्पाद तैयार कर आय अर्जित कर रही हैं। उन्होंने बताया कि तेंदूपत्ता संग्रहण के लिए सरकार द्वारा 5,500 रुपये प्रति मानक बोरा की दर से भुगतान किया जा रहा है तथा चरण पादुका योजना के तहत निःशुल्क चप्पल प्रदान की जा रही है।मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि गरीब परिवारों की बेटियों के विवाह की चिंता को ध्यान में रखते हुए वर्ष 2005 में इस योजना की शुरुआत की गई थी। हाल ही छह हजार से अधिक जोड़े इस योजना के अंतर्गत विवाह बंधन में बंधे, जिसे गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी स्थान प्राप्त हुआ है। उन्होंने बताया कि योजना के तहत नवदंपतियों को 35 हजार रुपये की आर्थिक सहायता एवं 15 हजार रुपये का सामग्री सहयोग प्रदान किया जाता है।

युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने जुनेजा के सादगी की तारीफ की

रायपुर। युवा कांग्रेस के सम्मलेन में आये भारतीय राष्टीय युवा कांग्रेस के राष्टीय प्रभारी मनीष शर्मा एवं राष्टीय अध्यक्ष उदय भान चिब ने रायपुर उत्तर के पूर्व विधायक कुलदीप जुनेजा के देवेंद नगर स्थित चौराहे पर पहुँचे यहां उनके सादगी देख उनकी तारीफ करते दिखे! श्री शर्मा ने युवा कांग्रेस के स्थानीय नेताओं से जुनेजा जी के द्वारा आम लोगों की मदद करने की बात सुन कर उनकी सराहनीय किया! राष्टीय अध्यक्ष श्री उदय भान ने उन्हें जन नेता कहते. हुये उनकी प्रशंसा की! इस दरमियान रायपुर शहर अध्यक्ष श्री कुमार मेनन ग्रामीण अध्यक्ष राजेंद्र बंजारे मौजूद रहें! चौराहे पर युवा कांग्रेस नेता जुनेजा जी को आदर्श मानते हुये उनके जैसा सेवा भाव में लगे रहने की बात कहीं !

प्रमुख रूप से विधायक देवेंद यादव ,युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष आकाश शर्मा, दीपक मिश्रा ,सोनू जसमीत शर्मा सहित रायपुर शहर एवं प्रदेश के युवा कांग्रेस नेता मौजूद रहें!

गोंदिया में ट्रैक मरम्मत कार्य के कारण प्रभावित रहेगा रेल परिचालन

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के नागपुर मंडल अंतर्गत गोंदिया स्टेशन पर लाइन नंबर-05 (प्लेटफॉर्म-3) पर स्थित वॉशेबल एप्रन को डिस्मेंटलिंग कर उसे बैलेस्टेड ट्रैक में परिवर्तित करने के लिए कार्य किया जाएगा जिसके लिए गोंदिया स्टेशन पर लाइन नंबर-05 (क्ष्मेन लाइन) पर 20 दिनों तक यातायात आवागमन बंद रहेगा। ब्लॉक कार्य की अवधि दिनांक - 05.04.2026 से 24.04.2026 तक होने से कुछ गाड़ियों का परिचालन प्रभावित रहेगा जिसका विवरण निम्नानुसार है -रद्द की जाने वाली गाड़ियाँ - गाड़ी संख्या 18030 (शालीमार-लोकमान्य तिलक टर्मिनल) एक्सप्रेस, शालीमार से 04.04.2026 से 24.04.2026 तक रद्द रहेगी। गाड़ी संख्या 18029 (लोकमान्य तिलक टर्मिनल-शालीमार) एक्सप्रेस, लोकमान्य तिलक टर्मिनल से 06.04.2026 से 26.04.2026 तक रद्द रहेगी। गाड़ी संख्या 18237 (कोरबा - अमृतसर) एक्सप्रेस कोरबा से 05.04.2026 से 25.04.2026 तक रद्द रहेगी। गाड़ी संख्या 18238 (अमृतसर-बिलासपुर) एक्सप्रेस, अमृतसर से 07.04.2026 से 27.04.2026 तक। गाड़ी संख्या 12410 (हज़रत निजामुद्दीन-रायगढ़) एक्सप्रेस, हज़रत निजामुद्दीन से 02, 04, 06, 07, 08, 09, 11, 13, 14, 15, 16, 18, 20, 21 एवं 22.04.2026 को रद्द रहेगी। गाड़ी संख्या 12409 (रायगढ़-हज़रत निजामुद्दीन) एक्सप्रेस, रायगढ़ से 04, 06, 08, 09, 10, 11, 13, 15, 16, 17, 18, 20, 22, 23 एवं 24.04.2026 को रद्द रहेगी। गाड़ी संख्या 12101 (लोकमान्य तिलक टर्मिनल-शालीमार) एक्सप्रेस, लोकमान्य तिलक टर्मिनल से 04, 06, 07, 10, 11, 13, 14, 17, 18, 20, एवं 21.04.2026 को रद्द रहेगी।

रायपुर ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू ने लोगों को दी विकास कार्यों की सौगात

- विभिन्न वार्डो में ढाई करोड़ से अधिक के नये विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन

रायपुर । आज रायपुर ग्रामीण विधायक श्री मोतीलाल साहू ने रायपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत नगर पालिक निगम रायपुर जोन 9 क्षेत्र अंतर्गत कुशाभाउ ठाकरे वार्ड पंडित विद्याचरण शुक्ल वार्ड, डॉ. भीमराव अंबेडकर वार्ड में 8 विभिन्न नये विकास कार्यो सीसी रोड निर्माण, धीवर समाज भवन के पास दलदल सिवनी में शेड निर्माण, रहेजा अर्थ के पास अधूरी सड़क का विस्तार लाभांडी हाई स्कूल में शेड रंगमंच निर्माण, स्कूल में एक अतिरिक्त कक्ष निर्माण, स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम उत्कृष्ट विद्यालय मोवा में रंगमंच शेड निर्माण, वार्ड 11 में रोड निर्माण एवं रोड और नाली का निर्माण कार्य का 1 करोड 4 लाख 35 हजार की लागत से लोकार्पण कर नगरवासियों को अनुपम सौगात दी। ग्रामीण विधायक ने लाल बहादुर शास्त्री वार्ड, महात्मा गांधी वार्ड, कुशाभाउ ठाकरे वार्ड, पंडित विद्याचरण शुक्ल वार्ड में नाला निर्माण कार्य सीसी रोड निर्माण कार्य, सामुदायिक भवन व चबूतरा निर्माण कार्य, शौचालय निर्माण कार्य के विविध नये विकास कार्यों का 7 भिन्न स्थानो पर 2 करोड 57 लाख 4 हजार की लागत से श्रीफल फोडकर व भूमिपूजन करते हुए वार्डवासियों को शानदार सौगात दी। रायपुर ग्रामीण विधायक श्री मोतीलाल साहू ने जोन 9 अध्यक्ष श्री गोपेश साहू, एमआईसी सदस्य श्री खेमकुमार सेन, पार्षद श्रीमती सावित्री धीवर, श्री देवदत्त द्विवेदी, श्री मोहन कुमार साहू, श्रीमती प्रभा मनोज विश्वकर्मा, श्रीमती रेणु जयंत साहू सहित जोन 9

गृह निर्माण मंडल के 22वें स्थापना दिवस में अध्यक्ष एवं आयुक्त ने की योजनाओं और शाखाओं की समीक्षा

- गुणवत्ता एवं समय पर कार्य पूर्ण करने दिए निर्देश

रायपुर। छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल ने 12 फरवरी को अपना 22वाँ स्थापना दिवस मनाया। राज्य गठन के पश्चात 12 फरवरी 2004 को मंडल का पुनर्गठन किया गया था। पुनर्गठन के बाद से अब तक मंडल द्वारा निर्मित कुल 01 लाख आवासों/संपत्तियों में से लगभग 75 प्रतिशत आवास कमजोर एवं निम्न आय वर्ग के हितग्राहियों के लिए निर्मित किए गए हैं स्थापना दिवस के अवसर पर हाउसिंग बोर्ड अध्यक्ष श्री अनुराग सिंह देव एवं आयुक्त श्री अवनीश शरण (आई.ए.एस.) द्वारा मंडल की समस्त शाखाओं के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अध्यक्ष अनुराग सिंह देव ने हाउसिंग बोर्ड परिवार को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए मंडल के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने अधिकारियों को निरंतर बेहतर कार्य करने तथा हितग्राहियों को किफायती दरों पर गुणवत्तापूर्ण आवास उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। साथ ही, उन्होंने सभी चल रही योजनाओं की विस्तृत समीक्षा करते हुए उनके प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन पर जोर दिया। उन्होंने समीक्षा बैठक में रिव्यु, रिफार्म और रेवोलुशन करने की बात कही। अध्यक्ष ने कहा कि कई वर्षो से रिक्त संपत्तियों में से 70त्न संपत्तियों का विक्रय किया जा चूका है, शेष बची 30त्न संपत्ति के विक्रय हेतु एक नयी पालिसी/प्लान तैयार करे जिसमे रिक्त भवनों के मरम्मत आदि शामिल हो। ताकि रिक्त संपत्तियों का विक्रय जल्द से जल्द किया जा सके।

ट्रेड यूनियनों का संयुक्त मंचः हड़ताल के समर्थन में कर्मचारियों ने निकाली मशाल रैली निकाली

रायपुर । देश के 10 प्रमुख ट्रेड यूनियनों एवं 100 से अधिक जन संगठनों के आव्हान पर केंद्र सरकार द्वारा थोपी जा रही 4 श्रम संहिताओं एवं जन विरोधी नीतियों के खिलाफ आहूत कल 12 फरवरी की राष्ट्व्यापी हड़ताल के समर्थन में आज कर्मचारी भवन बुढ़ापारा से मशाल रैली निकालकर सभा ली गई द्यदस प्रमुख केंद्रीय ट्रेड यूनियनों तथा अनेक स्वतंत्र महासंघों और संगठनों ने, जनता के बड़े हिस्से के विरोध के बावजूद अधिसूचित किए गए चार श्रम संहिताओं के खिलाफ 12 फरवरी 2026 को देशव्यापी आम हड़ताल का आह्वान किया है। संयुक्त किसान मोर्चा (स्यरू) तथा कृषि मजदूर संगठनों ने इस हड़ताल को अपना निर्विवाद समर्थन दिया है।यह हड़ताल श्रमिकों के हितों, सार्वजनिक संस्थाओं के हितों और व्यापक जनहित की रक्षा के लिए होने वाली सबसे बड़ी वर्गीय कार्रवाइयों में से एक होगी। सभा को संबोधित करते हुए ट्रेड यूनियनों के संयुक्त मंच के संयोजक धर्मराज महापात्र ने प्रदेश के समस्त श्रमिकों से अपील की कि वे सभी पूरे उत्साह के साथ इस हड़ताल में भाग लें और इसे हर स्तर पर सफल बनाएं। उन्होंने कहा कि सरकार जिन श्रम संहिताओं को जबरन लागू करने का प्रयास कर रही है, वे कॉरपोरेट के लिए 'ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस' को तेज करती हैं, जबकि करोड़ों श्रमिकों के लिए 'ईज़ ऑफ लिविंग' की कीमत पर ऐसा किया जा रहा है। संगठन बनाने का अधिकार, सामूहिक सौदेबाज़ी का अधिकार और नियमित 8 घंटे के कार्य-दिवस का अधिकार—सभी पर गंभीर हमला हो रहा है।

सभा को संबोधित करते हुए श्रम एवं संनिर्माण कर्मकार मंडल के पूर्व *अध्यक्ष सन्नी अग्रवाल* ने कहा कि मौजूदा श्रम कानून लंबे संघर्षों के परिणामस्वरूप बने थे और, अपनी कमियों के बावजूद, कार्यस्थल अधिकारों, वेतन, सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और कल्याण के संदर्भ में श्रमिकों को कुछ संरक्षण देते थे। नई श्रम संहिताएं इन सभी को नियोक्ताओं के लाभ के लिए गंभीर रूप से सीमित कर देंगी।

प्रदेश स्तरीय युवा महापंचायत में उमड़ा 3000 से अधिक युवाओं का सैलाब

रायपुर। छत्तीसगढ़ युवा कांग्रेस द्वारा आज राजधानी रायपुर में प्रदेश स्तरीय युवा मनरेगा संशोधन संग्राम ङ्क युवा महापंचायत का भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम रायपुर स्थित पंडित जवाहरलाल नेहरू मेमोरियल महाविद्यालय ऑडिटोरियम में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का नेतृत्व युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष आकाश शर्मा ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में दिल्ली से आए भारतीय युवा कांग्रेस के राष्टीय प्रभारी मनीष शर्मा एवं राष्टीय अध्यक्ष उदय भानु चिब उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत महात्मा गांधी एवं छत्तीसगढ़ महतारी के चित्र पर माल्यार्पण एवं राज्य गीत अरपा पैरी के धार के साथ की गई। प्रदेश के सभी जिलों और हर विधानसभा क्षेत्र से आए युवाओं ने मनरेगा संशोधन के मुद्दे पर अपनी बात रखते हुए कहा कि केंद्र सरकार द्वारा योजना के नाम और कार्यशैली में किए गए बदलाव रोजगार अधिकार पर सीधा आघात है।

विशेष रूप से लोकसभा से लेकर पंचायत तक चुनाव लड़ चुके युवाओं, तथा स्ञ्च, स्ट, ह्रक्चष्ट वर्ग के युवाओं को इस महापंचायत में प्रमुख स्थान दिया गया। राष्टीय प्रभारी मनीष शर्मा ने कहा– मोदी सरकार देश के हर संस्थान पर हमला कर रही है।

मरणोपरांत पं. गुलाबचंद्र 'पुष्प' को संस्कृति संरक्षक अतिवीराचार्य सम्मान से किया गया सम्मानित

ललितपुर। जनपद के प्रागैतिहासिक तीर्थक्षेत्र नवागढ़ को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने वाले प्रतिष्ठा पितामह पं. गुलाबचंद्र जी 'पुष्प' को मरणोपरांत संस्कृति संरक्षक अतिवीराचार्य सम्मान से सम्मानित किया गया। यह सम्मान देश की राजधानी दिल्ली स्थित केदारनाथ साहनी ऑडिटोरियम में आचार्य श्री अतिवीरसागर जी महाराज के सान्निध्य में आयोजित भव्य समारोह में प्रदान किया गया। इस अवसर पर पुष्प परिवार की ओर से नवागढ़ तीर्थक्षेत्र के निर्देशक एवं पं. गुलाबचंद्र पुष्प के सुपुत्र ब्र. जयकुमार निशान्त सहित परिजनों– इंजी. अभिनव जैन, इंजी. लोहित जैन, इंजी. सुमित जैन, श्रीमती शर्मिला जैन, अनुभूति जैन एवं सोनिया जैन–ने सम्मान ग्रहण किया। सम्मान स्वरूप तीन लाख रुपये की सम्मान राशि, प्रशस्ति पत्र, श्रीफल, अंगवस्त्र, तिलक, माला एवं 'बोलती जिनवाणी' प्रदान की गई। आचार्य श्री अतिवीरसागर जी महाराज ने अपने उद्बोधन में कहा कि जिस कालखंड में दोङ्कतीन वर्षों में एक पंचकल्याणक होता था, उस समय पं. गुलाबचंद्र जी पुष्प ने पूर्ण शुद्धि एवं आगम सिद्धांतों के अनुरूप स्नेह और वात्सल्य से परिपूर्ण 155 पंचकल्याणक संपन्न कराए। उन्होंने कहा कि नवागढ़ तीर्थ की खोज एवं विकास में पं. पुष्प जी का योगदान अतुलनीय और अविस्मरणीय है। संस्कृति संरक्षण की दिशा में उनकी स्मृति में श्री नवागढ़ गुरुकुलम् की स्थापना कर पुष्प परिवार ने अपने कर्तव्य का अनुकरणीय निर्वहन किया है। समारोह में उपाध्याय श्री रविंद्र मुनि जी को जिन शासन प्रभावना सम्मान, प्रो. वीरसागर जैन (दिल्ली) को जैन न्याय दर्शन सम्मान तथा पक्षियों के धर्मार्थ चिकित्सालय, लाल मंदिर दिल्ली को जीव दया परोपकार सम्मान प्रदान किया गया। कार्यक्रम का संचालन विवेक जैन ने किया एवं आभार समीर जैन ने व्यक्त किया।इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर नवागढ़ तीर्थक्षेत्र के अध्यक्ष एडवोकेट सनत जैन, महामंत्री वीरचंद्र जैन नेकौरा, सुरेंद्र सोजना, अशोक मैनवार, प्रचारमंत्री डॉ. सुनील संचय, पं. मनीष जैन संजू, एडवोकेट संदीप सोजना, आनंदी लाल जैन, डॉ. पी.के. जैन, इंद्र कुमार जैन, कपूरचंद्र डुंडा एवं ग्राम प्रधान नाबई (नवागढ़) सहित तीर्थक्षेत्र समिति एवं नवागढ़ गुरुकुलम् समिति ने हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

एसएमएस की बीमारी युवाओं पर भारी

बिना बात की बात करने में माहिर युवाओं को एसएमएस की लत महंगी साबित हो रही है। इससे उनकी जेब तो ढीली हो ही रही है, उनकी रातों की नींद हराम होने के साथ ही मानसिक शांति भी गायब सी होती जा रही है। इस समस्या से सबसे ज्यादा पीड़ति हो रहे हैं टीनएजर्स, क्योंकि एसएमएस का चस्का उनमें सबसे ज्यादा है। एसएमएस की लतों से मानसिक रूप से परेशान और बैचेन अनेक युवा इन दिनों मनोचिकित्सकों के पास पहुंच रहे हैं।

एसएमएस की वजह से क्या-क्या परेशानियां आ रही हैं और इनसे किस तरह निजात पाई जा सकती है, जानें एक्सपर्ट सलाह पर आधारित जितेंद्र सूर्यवंशी की इस रिपोर्ट में। कंपनियों द्वारा कम पैसे में दी गई एसएमएस की सुविधा युवाओं के लिए दुविधा साबित हो रही है। मनोचिकित्सकों के पास पहुंच रहे ज्यादातर मामलों में यह बात सामने आई है कि एसएमएस की लत मानसिक शांति और सेहत के लिए खतरनाक साबित हो रही है। इससे क्रोध बढ़ने के अलावा बैचेनी और अनिद्रा जैसी समस्याएं हो रही हैं। यही नहीं, एसएमएस का लगातार प्रयोग करने वाले युवाओं में अवसाद के साथ ही डर की भावना भी पैदा हो रही है। दरअसल, एसएमएस के जरिए दोस्तों से हर वक्त संपर्क में रहने के चलते युवाओं की दिनचर्या पूरी तरह गड़बड़ा गई है, इससे उनकी पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है। देर रात तक मोबाइल में संदेश के माध्यम से बात करने के कारण अधिकांश युवा गहरी नींद भी नहीं ले पा रहे हैं। कुछ रोचक मामलों में यह भी शामिल है कि अधिकांश युवा अक्सर अपने मोबाइल को इसलिए देखते रहते हैं कि शायद कोई एसएमएस आया हो, लेकिन प्राय: उनके लिए कोई एसएमएस नहीं होता। कई युवा तो ऐसे भी हैं जिन्हें अपने सहपाठियों से एसएमएस का जवाब नहीं मिलने पर वह निराशा और चिंता में भी डूब गए हैं, इससे उनके मन में एक तरह का अवसाद घर कर गया है कि कोई उनके संपर्क में रहना पंसद नहीं कर रहा है।

युवाओं से बातचीत में यह खुलासा हुआ कि वह बिना किसी वाजिब वजह के प्रतिदिन 150-200 तक एसएमएस कर देते हैं। इस मामले में टीनएजर्स युवतियां लड़कों से कहीं आगे हैं, क्योंकि लड़के जहां 50-100 एसएमएस ही कर पाते हैं, जबकि लड़कियां रोजाना 200 एसएमएस तक करती हैं। मजे की बात यह है कि एसएमएस के इस सिलसिले में बिना बात की बात या यूं कहें कि टाइम पास करने के लिए बेतुकी बातें ही होती हैं। इसमें सुबह से लेकर रात्रि तक की रूटीन बातें, पसंद-नापसंद, हॉबी, गपशप, घुमने-फिरने तक की बातें शामिल हैं।

यह समस्याएं आ रहीं सामने

मनोचिकित्सक रूमा भट्टाचार्य ने बताया कि फिलहाल एसएमएस की लत से परेशान हो चुके युवाओं के जो मामले उनके पास आ रहे हैं उनमें सबसे ज्यादा शिकायतें अनिद्रा, अवसाद, कम भूख, ब्रेन ट्यूमर, गुस्सा, बैचेनी और क्रोधित होने जैसे लक्षण दिखाई दे रहे हैं।

उन्होंने बताया कि उनके पास आने वाले ज्यादातर युवाओं में यह शिकायत आम है कि वह सोते समय मोबाइल अपने पास में ही रखते हैं, इससे वह पूरी नींद नहीं ले पाते, क्योंकि एसएमएस आने या मोबाइल पर कॉल आते ही उनकी नींद खुल जाती है। प्राय: एसएमएस मिलने पर युवा नींद तोड़कर उसे पढ़ते हैं, जिससे उनकी नींद प्रभावित हो रही है।

ज्यादातर युवाओं में यह शिकायत भी है कि वह मैसेज की आशंका से हर कुछ ही सैकंड के बाद अपना मोबाइल देखते हैं और लगातार मैसेज टाइप करने की वजह से उनके अंगूठे और कलाई के बीच दर्द रहता है।

इसी तरह वरिष्ठ मनोचिकित्सक डॉ आरएन साहू ने बताया कि कुछ मामले ऐसे भी हैं जिनमें युवाओं ने स्वीकार किया है कि यदि वह एसएमएस करते हैं और रिप्लाई नहीं मिलता तो वह बैचेन हो जाते हैं और उनमें हीनभावना आने लगती है। इस स्थिति को टेक्स्टाफ्रेनिया कहा जाता है। उन्होंने बताया किए ऐसे मामले आए दिन सामने आ रहे हैं।

ऐसे पाएं निजात

वरिष्ठ मनोचिकित्सक डॉ आरएन साहू कहते हैं कि इस समस्या से छुटकारा पाने का बेहतर रास्ता तो यही है कि मोबाइल का उपयोग कम से कम किया जाए। एसएमएस ही नहीं, बल्कि बातचीत में भी इसका उपयोग सीमित हो, क्योंकि यह सेहत के लिए बेहद खतरनाक साबित हो सकता है।

युवाओं को चाहिए कि वह जरूरी होने पर ही एसएमएस करें। एसएमएस को गप्पबाजी या टाइम पास का माध्यम न बनाएं। जितनी भी बातें करनी है वह मिलकर करें। खासकर देर रात तक एसएमएस से बात करने से बचें एवं सोते समय मोबाइल अपने पास में न रखें, बेहतर होगा कि सोने से पहले मोबाइल बंद कर दें।

अकेलापन मिटाने का जरिया

एक मेडिकल स्टूडेंट बताते हैं कि वह रोजाना 100 से अधिक एसएमएस कर देते हैं, सिर्फ इसलिए कि उन्हें एसएमएस से बातें करना अच्छा लगता है, टाइम पास हो जाता है और अकेलेपन से भी मुक्ति मिल जाती है। स्टूडैंट ने यह स्वीकार करते हैं कि इससे उनकी पढ़ाई बेहद प्रभावित हुई है और नींद भी उड़ गई है, क्योंकि कई बार उन्हें नींद में भी ऐसा लगता है कि मोबाइल पर कोई एसएमएस आया है, इससे नींद खुल जाती है।

इंजीनियरिंग के स्टूडेंट रूपेश त्यागी का कहना है कि मेरे लिए एसएमएस नए-नए दोस्त बनाने का जरिया है और मैं इसके लिए हमेशा एसएमएस का सहारा लेता हूं, क्योंकि यह सस्ता भी है। लेकिन फिलहाल वह एसएमएस से बेहद परेशान हो चुके हैं, उनका कहना है कि शुरू में तो कोई परेशानी नहीं थी, लेकिन अब इतने अधिक एसएमएस आने लगे हैं कि मोबाइल देखकर ही सिरदर्द होने लगता है और मैं कभी-कभी एसएमएस भेजने वाले दोस्तों पर क्रोधित हो जाता हूं।

अगर खुजली से हैं परेशान तो इन्हें आजमाइए

खुजली एक त्वचा रोग है, जिससे व्यक्ति काफी परेशान और निराश हो जाता है। खुजली के लिए सबसे कारगर उपाय है तेल को मालिश जिससे रूखी और बेजान त्वचा को नमी मिलती है। चलिए जानते हैं खुजली के कुछ घरेलू इलाज।

1. खुजली होने पर प्राथमिक सावधानी के तौर पर सफाई का पूरा ध्यान रखिए।
2. साबुन का प्रयोग जितना भी हो सकता है कम कर दें और सिर्फ मृदु साबुन का ही प्रयोग करें।
3. कभी कभी त्वचा को सुगंधित पदार्थों, क्रीम, लोशन, शैंपू, जूतों या कपड़ों में पाए जाने वाले रसायनों से भी एलर्जि हो जाती है। इसलिए सही तरीके का लोशन इत्यादि ही लगाएं।
4. अगर आपको कब्जा है तो उसका भी इलाज करवाएं।
5. हफ्ते में दो बार मुल्तानी मिट्टी और नीम की पत्ती का लेप लगाएं, उसके बाद साफ पानी से शरीर को धो लें।
6. थोडा सा कपूर लेकर उसमें दो बड़े चम्मच नारियल का तेल मिलाकर खुजली वाले स्थान पर नियमित लगाने से खुजली मिट जाती है। हां, तेल को हल्का सा गरम करके ही कपूर में मिलाए।
7. यदि जनेंद्रिय पर खुजली की शिकायत हो, तो गर्म पानी में फिटकरी मिलाकर उसे लगाएं।
8. नारियल तेल का दो चम्मच लेकर उसमें एक चम्मच टमाटर का रस मिलाइए। फिर खुजली वाले स्थान पर भली प्रकार से मालिश करिए। उसके कुछ समय बाद गर्म पानी से स्नान कर लें। एक सप्ताह ऐसा लगातार करने से खुजली मिट जाएगी।
9. यदि गेहूं के आटे को पानी में घोल कर उसका लेप लगाया जाए, तो विविध चर्म रोग, खुजली, टीस, फोडे-फुंसी के अलावा आग से जले हुए घाव में भी राहत मिलती है।
10. सवेरे खाली पेट 30-35 ग्राम नीम का रस पीने से चर्म रोगों में लाभ होता है, क्योंकि नीम का रस रक्त को साफ करता है।
11. खुजली से परेशान लोगों को चीनी और मिठाई नहीं खानी चाहिए। परवल का साग, टमाटर, नीबू का रस आदि का सेवन लाभप्रद है।

जुकाम में खूब खाएं, बुखार में नहीं

एक कहावत है, फीड ए कोल्ड, स्टार्व ए फीवर। यानी जुकाम के समय खूब खाओ और बुखार के समय भूखे रहो। लगता है इस कहावत में कुछ दम है। भरपेट खाने और भूखे रहने के असर शरीर के प्रतिरक्षा तंत्र पर एकदम अलग-अलग होते हैं। वैसे डॉक्टर उक्त कहावत को ज्यादा महत्व नहीं देते। एम्सटर्डम के एकेडमिक मेडिकल सेंटर में किए गए अनुसंधान से कुछ रोचक परिणाम प्राप्त हुए हैं। पता चला है कि भरपेट भोजन करने से प्रतिरक्षा तंत्र का एक पक्ष प्रेरित होता है। यह जुकाम पैदा करने वाले वायरसों का सफाया करता है, जबकि भूखे रहने से प्रतिरक्षा तंत्र का वह पक्ष सक्रिय होता है, जो बुखार के लिए उत्तरदायी बैक्टीरिया का सामना करता है। सेंटर के वैज्ञानिक गिस वान डेन ब्रिन्क और उनके साथियों ने एक क्रिसमस दावत के दौरान अतिथियों के रक्त के नमूने प्राप्त किए। वे देखना चाहते थे कि क्या प्रतिरक्षा तंत्र पर अल्कोहल का कोई असर होता है? पता चला कि अल्कोहल का तो कोई असर नहीं होता, लेकिन भोजन का असर अवश्य होता है। यह देखकर वैज्ञानिकों ने छह लोगों से अनुरोध किया कि वे एक रात भूखे रहें और फिर अगले दिन सुबह प्रयोगशाला में आएं। इन्हीं लोगों को एक बार तरल भोजन देकर भी परीक्षण किए गए। देखने में आया कि तरल भोजन के लगभग 6 घंटे बाद उनके खून में गामा इंटरफेरॉन की मात्रा सामान्य से चौगुनी हो गई थी। गामा इंटरफेरॉन उन तमाम कोशिकाओं को नष्ट करती है, जिसमें कोई विषाणु (वायरस) घुस चुका हो। यह प्रतिरक्षा मूलत: वायरसों के विरुद्ध काम करती है। लगता है कि भरपेट भोजन इसे बढ़ावा देता है। दूसरी ओर, जब इन्हें सिर्फ पानी पिलाया गया तो उनमें इंटरफेरॉन की मात्रा में तो थोड़ी सी कमी आई मगर एक अन्य रासायनिक संदेशवाहक इंटरल्यूकीन-4 की मात्रा चौगुनी हो गई। इंटरल्यूकीन-4 हमारी कोशिकाओं के बाहर मंडराते रोगजनक तत्वों पर हमला करता है। बैक्टीरिया आमतौर पर यही करते हैं, कोशिकाओं के बाहर टहलते रहते हैं। इनमें से कई बैक्टीरिया बुखार के कारक हैं। वैसे ब्रिन्क ने चेतावनी दी कि यह एक बहुत छोटा सा अध्ययन है। लोगों को इसके आधार पर अपने तौर-तरीके बदलने की उतावली नहीं करनी चाहिए। वैसे एक अन्य अध्ययन ने भी इस निष्कर्ष की पुष्टि की है। एम्सटर्डम के ही फ्री यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल में किए गए इस अध्ययन में पता चला है कि ग्लूटैमीन नामक एक अमीनो अम्ल भी इंटरफेरॉन जैसी प्रतिरक्षा को बढ़ावा देता है।

वजन कम ना होने के पांच मुख्य कारण

अगर आपको ऐसा लगता है कि आपके बार-बार जिम जाने से भी आपके वजन में कोई परिवर्तन नहीं दिख रहा है, तो इसके पीछे भी कई कारण हो सकते हैं। पूरी तरह से वजन कम करने के लिए कई ऐसे उपाए हैं जो काफी कारक हैं। जिनमें से सही तरीके से लिया गया आहार और व्यायाम सर्वक्षेष्ठ स्थान रखता है। पर इसके अलावा भी ऐसे और भी कारण हो सकते हैं जिनकी वजह से आपके वजन में कोई परिवर्तन देखने को नहीं मिलता। चलिए बात करते हैं इन्हीं कारणों की।

पांच महत्तवपूर्ण कारण क्या हैं-

1. अनुचित डाइट प्लैन: आपको जरुरत है ऐसी आहार योजना कि जो खास आपके शरीर की जरुरत के हिसाब से तैयार की गई हो। इसको तैयार करने के लिए यह देखना बहुत जरुरी है कि आप कौन सा कार्य करते हैं और आपकी रोज़ की दिनचर्या कैसी है। अगर आप रोज़ जिम जाते हैं और वापस घर पर आकर दिन भर सोते रहते हैं तो किसी भी प्रकार का डाइट प्लैन अपको पतला नहीं कर पाएगा।

2. ब्रेकिगं प्वांइट: यहां पर ब्रेकिगं प्वांइट हम उसे कहते हैं, जिस समय ब्यक्ति का वजन कम होना शुरू हो जाता है। अगर आप ऐसा सोंचते हैं कि एक्सरसाइज करने के तुरंत बाद ही आपका वजन कम होने लगेगा तो ऐसा नहीं होता। सबसे पहले शरीर में से पानी, फिर ऊर्जा और अंत में वसा कम होना शुरु होता है। हर ब्यक्ति का ब्रेकिगं प्वांइट अलग अलग होता है। जहां कई लोग चार ही दिनों में किलो भर वजन कम कर लेते हैं, वहीं पर कुछ लोगों का वजन दो हफ्ते बाद भी वैसा ही रहता है। इसलिए आपको कभी भी हिम्मत नहीं हारनी चाहिए।

3. व्यायाम की सही योजना: अगर आप काफी समय से सिर्फ वही पुरानी एक्सरसाइज कर रहे हैं तो आपके शरीर को उसकी आदत हो जाएगी। इसलिए आपको अपनी एक्सरसाइज को कुछ कुछ दिनों या महीनों पर परिवर्तित कर लेना चाहिए।

4. कार्डियो और वेट ट्रेनिगं का उचित मिश्रण: वर्कआउट हमेशा इन्ही दो महत्वपूर्ण भागों में बंटा होता है। आपको वजन कम करने के लिए हमेशा 80 प्रतिशत कार्डियो करना चाहिए। जिसमें ट्रेडमिल, साइकिलिगं और जौगिगं शामिल होती है। वेट ट्रेनिगं मासपेशियों को टोन करने के लिए किया जाता है।

5. हार्मोनल असंतुलन: अगर फिर भी आपका वजन कम होने का नाम नहीं ले रहा है तो शायद शरीर में आंतरिक रूप से ही कोई समस्या हो। थाइरॉइड ग्लैन्ड के सही से काम ना कर पाने की वजह से भी वजन कम नहीं होता चाहे आप कितनी भी कोशिश क्यूं ना कर लें।

ऑस्ट्रेलिया की जीत से शुरुआत, आयरलैंड की लगातार दूसरी हार

एजेंसी, नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया ने आयरलैंड को 67 रन से हरा दिया। बुधवार को कोलंबो में खेले गए टी20 विश्व कप के 14वें मैच में ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में छह विकेट पर 182 रन बनाए। जवाब में आयरलैंड की टीम 16.5 ओवर में सिर्फ 115 रन ही बना सकी और ऑलआउट हो गई। उनके लिए जॉर्ज डॉकरेल ने सर्वाधिक 41 रनों की पारी खेली। वहीं, ऑस्ट्रेलिया के लिए नाथन एलिस और एडम जाम्पा ने 4-4 विकेट लिए जबकि मैथ्यू कुनेहमेन ने एक सफलता अपने नाम की। टी20 विश्व कप में अपनी पहली जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया ग्रुप बी की अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई। वहीं, आयरलैंड लगातार दो मैचों में हार के साथ चौथे स्थान पर है। उनका नेट रन रेट -2.175 है।

ऑस्ट्रेलिया की पारी: ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत झटके के साथ हुई, लेकिन जोश इंग्लिश (37 रन) और कैमरन ग्रीन (21 रन) ने तेज बल्लेबाजी कर टीम को गति दी। इंग्लिश ने कवर ड्राइव और एज के जरिए कई चौके लगाए, जबकि ग्रीन ने अपनी लंबी कद-काठी का फायदा उठाते हुए एक चौका और दो बड़े छक्के जड़े। ग्रीन के आउट होने के बाद मैट रेनशॉ (37 रन) और मार्कस स्टोइनिस (45 रन) ने पारी को संभाला। दोनों ने मिलकर 61 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी की और बीच के ओवरों में रन गति बनाए रखी। रेनशॉ ने समझदारी से बल्लेबाजी की, जबकि स्टोइनिस ने अंत में आक्रामक अंदाज अपनाया। आखिरी पांच ओवरों में ऑस्ट्रेलिया ने 53 रन जोड़े, जिससे टीम 182/6 के प्रतिस्पर्धी स्कोर तक पहुंच गई। आयरलैंड के गेंदबाजों ने बीच के ओवरों में अच्छी गेंदबाजी की, लेकिन कुछ कैच छूटने का नुकसान उठाना पड़ा।

आयरलैंड की पारी

183 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी आयरलैंड की टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज नाथन एलिस ने शुरुआती ओवरों में कहर बरपाते हुए तीन विकेट झटके और शीर्ष क्रम को ध्वस्त कर दिया। एलिस ने 3.5 ओवर में 9 रन देकर 3 विकेट लिए। बाद में उन्होंने कुल 3.5 ओवर में 4/12 का शानदार प्रदर्शन किया। इसके बाद लेग स्पिनर एडम जाम्पा ने मध्यक्रम और निचले क्रम को समेटते हुए 4 ओवर में 4/23 विकेट लिए। आयरलैंड के लिए जॉर्ज डॉकरेल ने सबसे ज्यादा 41 रन (29 गेंद) बनाए और टीम का स्कोर 100 के पार पहुंचाया। हालांकि, दूसरे छोर से उन्हें पर्याप्त सहयोग नहीं मिला। कप्तान पॉल स्टर्लिंग चोट के कारण बल्लेबाजी करने नहीं उतरे। पूरी टीम 16.5 ओवर में 115 रन पर ऑलआउट हो गई।

रदरफोर्ड की विस्फोटक पारी, इंडीज ने इंग्लैंड को 30 रन से हराया

एजेंसी, नई दिल्ली। टी20 विश्व कप के ग्रुप-सी के अहम मुकाबले में वेस्टइंडीज ने ऑलराउंड प्रदर्शन के दम पर इंग्लैंड को 30 रन से शिकस्त दी। शेरफेन रदरफोर्ड की नाबाद 76 रन की तूफानी पारी और गुडाकेश मोती की घातक स्पिन गेंदबाजी ने मैच का रुख पूरी तरह कैरेबियाई टीम के पक्ष में मोड़ दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज ने 196 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया, जिसके जवाब में इंग्लैंड की टीम 166 रन पर सिमट गई।

वेस्टइंडीज की पारी: इस मुकाबले में वेस्टइंडीज की शुरुआत खराब रही। टीम ने मात्र 8 रन पर शाई होप और ब्रैंडन किंग के विकेट गंवा दिए। इसके बाद रोस्टन चेज (34 रन) ने पारी को संभालने की कोशिश की। शिमरॉन हेटमायर (23 रन) ने कुछ आकर्षक शॉट लगाए, लेकिन टीम की रनगति धीमी रही और 10 ओवर में स्कोर 79/4 था। ऐसे मुश्किल समय में शेरफेन रदरफोर्ड ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए पारी को नई दिशा दी। उन्होंने 42 गेंदों में नाबाद 76 रन बनाए, जिसमें 5 छक्के और 2 चौके शामिल थे। रदरफोर्ड ने कप्तान रोवमैन पॉवेल (14 रन) के साथ 51 रन की साझेदारी की और फिर जेसन होल्डर (17 गेंदों में 33 रन, 4 छक्के) के साथ छठे विकेट के लिए 32 गेंदों में 61 रन जोड़े। आखिरी 10 ओवरों में वेस्टइंडीज ने 117 रन बटोरे, जिससे टीम 196 के मजबूत स्कोर तक पहुंच सकी। इंग्लैंड की ओर से आदिल राशिद (2/16) सबसे सफल गेंदबाज रहे।

इंग्लैंड की पारी: 197 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत विस्फोटक रही। फिल सॉल्ट (14 गेंदों में 30 रन) ने दूसरे ओवर में 24 रन बटोरकर टीम को तेज शुरुआत दिलाई। पावरप्ले में इंग्लैंड का स्कोर 67/1 था। लेकिन इसके बाद इंग्लैंड के बल्लेबाज अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में नहीं बदल सके। जोस बटलर (21 रन) और जैकब बेथेल (33 रन) अच्छी लय में दिखे, लेकिन वे भी बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे। वेस्टइंडीज के स्पिनरों ने मैच का रुख पलट दिया। गुडाकेश मोती ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में 32 रन देकर 3 विकेट झटके। उन्होंने टॉम बैंटन और जैकब बेथेल को आउट कर इंग्लैंड को दबाव में डाल दिया। मोती ने कप्तान हैरी ब्रूक (17 रन) का भी महत्वपूर्ण विकेट लिया। रोस्टन चेज और अकेल होसिन ने भी किफायती गेंदबाजी की। इंग्लैंड की टीम 19 ओवर में 166 रन पर सिमट गई। सैम करन 43 रन बनाकर नाबाद रहे

टी20 विश्वकप में नेपाल और इटली का आज होगा मुकाबला

एजेंसी, नई दिल्ली। टी20 विश्वकप में गुरुवार को यहां नेपाल की टीम का मुकाबला इटली से होगा। अपने पहले ही मैच में इंग्लैंड के खिलाफ केवल 4 रनों से हारी नेपाल की टीम इस मैच को जीतने के इरादे से उतरेगी। जिस प्रकार उसने पहले ही मैच में दो बार विजेता रही इंग्लैंड को टक्कर दी है उससे तय है कि वह जीत की प्रबल दावेदार रहेगी। वहीं इटली की टीम पहली बार इस प्रतियोगिता में भाग ले रही है जबकि नेपाल ने साल 2014 में हांगकांग और अफगानिस्तान को हराया था पर उसके बाद नेपाल एक भी मैच नहीं जीत पाया है। नेपाल तीन अवसरों पर टेस्ट खेलने वाले देशों को हराने के बेहद करीब पहुंचा पर अंत में उसे हार का सामना करना पड़ा था। वह 2024 में दक्षिण अफ्रीका से वह केवल एक रन से और बांग्लादेश से 21 रन से हार गया था।

इंग्लैंड के खिलाफ वह पहले मैच में लक्ष्य हासिल करने के करीब पहुंच गया था पर अंत में उसे चार रन से हार झेलनी पड़ी। नेपाल के क्रिकेटरों के प्रदर्शन की काफी तारीफ भी हुई है। इटली के खिलाफ भी पूरी संभावना है कि दर्शक उसे पूरा समर्थन देंगे।

नेपाल के पास कुशल भुर्टेल के रूप में शीर्ष क्रम में आक्रामक बल्लेबाज है, वहीं दीपेंद्र सिंह ऐरी, कप्तान रोहित पौडेल और आरिफ शेख मध्य क्रम को मजबूती प्रदान करते हैं। लोकेश बाम ने अपने आक्रामक स्ट्रोक प्ले से जोफ्रा आर्चर और आदिल राशिद जैसे कुशल गेंदबाजों को भी पीट दिया। नेपाल को हालांकि कुछ क्षेत्रों में सुधार करने की जरूरत है। इंग्लैंड के खिलाफ बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए उन्होंने बीच के ओवरों में पर्याप्त चौके नहीं लगाए। उन्हें विकेटों के बीच दौड़ में भी सुधार करना होगा।

ईशान किशन हुए चोटिल

नामीबिया के खिलाफ गुरुवार यानी 12 फरवरी को दिल्ली में खेले जाने वाले मुकाबले से पहले भारतीय टीम को एक और झटका लग सकता है। दरअसल, स्टार बल्लेबाज ईशान किशन अभ्यास सत्र के दौरान चोटिल हो गए। बुमराह की खतरनाक यॉर्कर से वह चोटिल हुए। इससे पहले अभिषेक शर्मा पेट में संक्रमण के कारण अस्पताल में भर्ती हुए थे। हालांकि, बुधवार को उन्हें छुट्टी मिल गई।

बुमराह की गेंद से लगी चोट: नामीबिया के खिलाफ मैच से पहले अभ्यास सत्र के दौरान ईशान किशन शानदार लय में नजर आए, लेकिन तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की एक तेज यॉर्कर उनके बाएं पैर पर लग गई, जिससे उन्हें थोड़ी देर के लिए मैदान छोड़ना पड़ा। हालांकि, किशन बाद में दोबारा बल्लेबाजी करने लौटे, लेकिन ज्यादा देर तक क्रीज पर नहीं टिके।

देश-विदेश

कनाडा के स्कूल में अंधाधुंध फायरिंग: हमलावर के अलावा 10 बच्चों की मौत, कई घायल

एजेंसी, कनाडा। ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत स्थित टंबलर रिज कस्बे के एक स्कूल में मंगलवार को हुई भीषण गोलीबारी में 10 लोगों की मौत हो गई है। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में मुख्य हमलावर भी मारा गया है। इस दर्दनाक घटना में दर्जनों लोग घायल हुए हैं, जिन्हें नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। जिस समय यह हमला हुआ, स्कूल में करीब 200 छात्र मौजूद थे। फिलहाल सुरक्षा कारणों से हमलावर की पहचान उजागर नहीं की गई है और पूरे इलाके को भारी पुलिस बल ने छावनी में तब्दील कर दिया है।

रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस ने पुष्टि की है कि एक संदिग्ध घटनास्थल पर मृत पाया गया है। पुलिस अधिकारी अब इस बात की गहनता से जांच कर रहे हैं कि क्या इस कृत्य में कोई दूसरा संदिग्ध भी शामिल था। करीब 2,400 की आबादी वाले इस शांत कस्बे में सुरक्षा के मद्देनजर निवासियों को घरों के भीतर ही रहने की सख्त हिदायत दी गई है। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पड़ोसी इलाकों से अतिरिक्त पुलिस कुमुक बुलाई गई है।पीस रिवर साउथ स्कूल डिस्ट्रिक्ट के अनुसार, घटना के बाद टंबलर रिज सेकेंडरी स्कूल और एलीमेंट्री स्कूल दोनों को लॉकडाउन पर रखा गया है, जिससे किसी भी व्यक्ति के अंदर आने या बाहर जाने पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है। स्थानीय विधायक लैरी न्यूफेल्ड ने बताया कि एंबुलेंस और अन्य आवश्यक संसाधन तेजी से मौके पर भेजे जा रहे हैं। उन्होंने समुदाय के लोगों से धैर्य बनाए रखने और सुरक्षित स्थानों पर ही रहने का आग्रह किया है। यह क्षेत्र वैंकूवर से लगभग 1,000 किलोमीटर उत्तर में स्थित है। उल्लेखनीय है कि कनाडा में स्कूलों के भीतर गोलीबारी की ऐसी हिंसक घटनाएं अत्यंत दुर्लभ मानी जाती हैं, जिससे इस त्रासदी ने पूरे देश को झकझोर दिया है।

ईरान समझौते की शर्तों को नहीं मानता है तो भुगतने होंगे गंभीर सैन्य परिणाम : ट्रंप

एजेंसी, वॉशिंगटन। ईरान और अमेरिका के बीच एक नए परमाणु समझौते को लेकर जारी बातचीत के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सख्त रुख अपनाया है। एक इंटरव्यू में ट्रंप ने साफ किया कि यदि ईरान समझौते की शर्तों को नहीं मानता है, तो उसे गंभीर सैन्य परिणामों का सामना करना पड़ सकता है। सैन्य बेड़े की रवानगी और चेतावनी देते हुए ट्रंप ने कहा कि अमेरिका का एक विशाल नौसैनिक बेड़ा ईरान की ओर रवाना हो चुका है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि ईरान समझौता करना चाहता हैं, और अगर वे ऐसा नहीं करते हैं तो यह उनकी बेवकूफी होगी। हमने पहले भी उनके न्यूक्लियर ठिकानों को तबाह कर दिया है, और हम देखेंगे कि इस बार हम और क्या नष्ट कर सकते हैं।

ट्रंप का यह बयान उस समय आया है जब सोमवार को ओमान की मध्यस्थता में दोनों देशों के अधिकारियों के बीच सीधी मुलाकात हुई। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाक़ाई ने बातचीत को सकारात्मक बताया और संकेत दिया कि वार्ता आगे भी जारी रहेगी। एक तरफ जहां कूटनीतिक रास्तों से समाधान निकालने

की कोशिश हो रही है, वहीं ट्रंप की सैन्य कार्रवाई की धमकी ने इस बातचीत पर अनिश्चितता के बादल मंडरा रहे हैं। बता दें अमेरिका चाहता है कि ईरान अपने यूरेनियम संवर्धन और परमाणु ठिकानों को पूरी तरह नियंत्रित करे। ट्रंप प्रशासन मैक्सिमम प्रेशर की नीति अपना रहा है ताकि ईरान को उसकी शर्तों पर झुकने के लिए मजबूर किया जा सके।

ईरान-अमेरिका परमाणु वार्ता के बीच नेतन्याहू का वॉशिंगटन दौरा, अब बैठक पर दुनिया की नजरें

एजेंसी, यरूशलेम। ईरान और अमेरिका के बीच जारी परमाणु वार्ताओं के बावजूद मध्य पूर्व में तनाव कम होने का नाम नहीं ले रहा है। दोनों पक्षों की ओर से जारी धमकियों और कूटनीतिक रस्साकशी के बीच इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू एक बेहद महत्वपूर्ण मिशन पर अमेरिका रवाना हो रहे हैं। पीएम नेतन्याहू वॉशिंगटन डीसी में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात करेंगे। रणनीतिक रूप से यह बैठक इसलिए भी खास है क्योंकि राष्ट्रपति ट्रंप के दोबारा सत्ता में आने के बाद से दोनों नेताओं के बीच यह सातवीं आधिकारिक मुलाकात होगी, जिसने ईरान की चिंताएं बढ़ा दी हैं। अमेरिका के लिए रवाना होने से पहले प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने इस यात्रा के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप के साथ उनकी ये बार-बार होने वाली मुलाकातें इजरायल और अमेरिका के बीच के असाधारण और ऐतिहासिक संबंधों का प्रमाण हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि दोनों देशों के बीच आज जितनी नजदीकी है, वैसी इजरायल के इतिहास में पहले कभी नहीं देखी गई। हालांकि इस यात्रा का मुख्य केंद्र गाजा की स्थिति और क्षेत्रीय सुरक्षा है, लेकिन नेतन्याहू के एजेंडे में सबसे ऊपर ईरान के साथ होने वाली परमाणु बातचीत और उससे जुड़ी इजरायली चिंताएं हैं। नेतन्याहू ने स्पष्ट किया कि वह राष्ट्रपति ट्रंप के सामने बातचीत के उन कड़े सिद्धांतों को रखेंगे, जो न केवल इजरायल के अस्तित्व के लिए बल्कि पूरे मध्य पूर्व की शांति और सुरक्षा के लिए अनिवार्य हैं।

आर्थिक संकट की आहट के बीच जापान की नई प्रधानमंत्री सनाए तकाची के सामने कई चुनौतिया

एजेंसी, टोक्यो। जापान में नई सरकार के साथ साथ नई चुनौतियां भी दिखाई दे रही हैं। जापान में हाल ही में संपन्न हुए आम चुनावों ने न केवल देश की राजनीति में एक नया अध्याय जोड़ दिया है, बल्कि वैश्विक स्तर पर जापान की छिपी हुई आर्थिक कमजोरियों को भी उजागर कर दिया है। लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी की नेता सनाए तकाची ने इन चुनावों में 75.7 फीसदी सीटों पर ऐतिहासिक कब्जा जमाकर जबरदस्त जीत हासिल की है। दूसरे विश्व युद्ध के बाद किसी भी जापानी नेता को मिला यह अब तक का सबसे बड़ा जनादेश है। हालांकि, यह जीत जितनी भव्य है, नई सरकार के सामने खड़ी आर्थिक चुनौतियां उतनी ही विकराल हैं। दुनिया अब तक जापान को केवल एक आर्थिक रोल मॉडल और तकनीक के गढ़ के रूप में देखती आई है, लेकिन इस चुनाव और इसके बाद की घोषणाओं ने वहां की अर्थव्यवस्था की एक बेहद पिछड़ी और संकटग्रस्त तस्वीर पेश की है। ऐतिहासिक आंकड़ों पर नजर डालें तो दूसरे विश्व युद्ध की समाप्ति के बाद जापान वर्ष 1960 से 1980 के बीच एक वैश्विक आर्थिक महाशक्ति बनकर उभरा था। 90 के दशक तक जापान की जीडीपी ग्रोथ जी-7 देशों के मुकाबले काफी तेज थी, लेकिन इसके बाद से ही अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ने लगा।

बोले वायुसेना के उप प्रमुख एयर मार्शल नागेश कपूर ...

ऑपरेशन सिंदूर में राफेल रहा 'हीरो'

एजेंसी, नई दिल्ली। वायुसेना के उप प्रमुख एयर मार्शल नागेश कपूर ने बुधवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान राफेल लड़ाकू विमान 'हीरो' साबित हुआ। उन्होंने यह भी बताया कि भारतीय वायुसेना और अधिक मल्टी-रोल फाइटर एयरक्राफ्ट शामिल करने की दिशा में आगे बढ़ रही है।

एक्सरसाइज वायु शक्ति 2026 के अनावरण समारोह में संबोधित करते हुए एयर मार्शल कपूर ने कहा, 'ऑपरेशन सिंदूर का संदेश स्पष्ट था कि आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। देश की धरती पर होने वाले हर आतंकी कृत्य का जवाब दिया जाएगा और इसकी कीमत चुकानी होगी।'

उन्होंने कहा कि 27 फरवरी को जैसलमेर के पास पोखरण में होने वाले वायु शक्ति अभ्यास के दौरान ऑपरेशन सिंदूर की सटीक लक्ष्यभेदी कार्रवाई की झलक भी दिखाई जाएगी। उन्होंने कहा, 'राफेल निश्चित रूप से ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हीरो रहा। भारतीय वायुसेना अधिक MRFA शामिल करने की योजना बना रही है, जो राफेल या अन्य विकल्प हो सकते हैं। इस पर अभी विचार-विमर्श जारी है और अंतिम निर्णय लिया जाना बाकी है।'

गौरतलब है कि भारत ने 7 मई 2025 को पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था, जिसमें 26 लोगों की जान गई थी। भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर में नौ बड़े आतंकी लॉन्चपैड को निशाना बनाते हुए सटीक हमले किए। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, इन हमलों में 100 से अधिक आतंकवादी मारे गए।

एनटीपीसी का इंडियन पावर स्टेशन ओ एंड एम कॉन्फ्रेंस 2026 का आयोजन रायपुर में

रायपुर । भारत की सबसे बड़ी एकीकृत विद्युत कंपनी एनटीपीसी लिमिटेड 13 से 15 फरवरी 2026 तक इंडियन पावर स्टेशन ओ एंड एम कॉन्फ्रेंस (ढ्ढक्क 2026) का आयोजन करने जा रही है। यह तीन दिवसीय सम्मेलन विद्युत क्षेत्र के विशेषज्ञों और पेशेवरों को संवाद, सीखने और सहयोग के लिए एक साझा मंच प्रदान करेगा। इस अवसर पर विद्युत मंत्रालय तथा विद्युत क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रमों के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहेंगे।

यह वार्षिक सम्मेलन एनटीपीसी की यात्रा का एक महत्वपूर्ण अध्याय है, जो वर्ष 1982 में सिंगरौली में इसकी पहली थर्मल इकाई के वाणिज्यिक संचालन की स्मृति को चिह्नित करता है। यह उपलब्धि भारत के विद्युत क्षेत्र में परिचालन उत्कृष्टता की नींव रखने वाला ऐतिहासिक मील का पत्थर थी। वर्षों के दौरान ढ्ढक्क एक विश्वसनीय मंच के रूप में विकसित हुआ है, जहाँ नीति-निर्माता, उद्योग विशेषज्ञ, संयंत्र संचालक, निर्माता, शोधकर्ता और शिक्षाविद एकत्र होकर अनुभव साझा करते हैं, व्यावहारिक जानकारियों का आदान-प्रदान करते हैं और देश में विद्युत उत्पादन की दिशा तय करने के लिए सामूहिक रणनीति बनाते हैं।

ढ्ढक्क 2026 का विषय 'ह्लह्वद्दद्दद्बद्गद्बठ्ठद्द ञ्जद्धद्गह्म्द्वड्डद्य तद्गठ्ठद्गह्म्ड्डह्लद्बशठ्ठ 2द्बह्लद्ध त्तह्वड्डद्यद्बह्ल4 × ञ्ज्द्गद्यद्बड्डड्ढद्बद्यद्बह्ल4' है, जो ऊर्जा सुरक्षा और ग्रिड स्थिरता सुनिश्चित करने में तापीय ऊर्जा की निरंतर महत्ता को रेखांकित करता है, विशेष रूप से उस समय जब भारत स्वच्छ और विविधीकृत ऊर्जा मिश्रण की दिशा में आगे बढ़ रहा है। गुणवत्ता और विश्वसनीयता भरोसेमंद बिजली आपूर्ति के मूल स्तंभ हैं, और यह सम्मेलन साझा सीख और व्यवहारिक अनुभवों के माध्यम से इन स्तंभों को और मजबूत करने पर केंद्रित रहेगा।

तीन दिवसीय सम्मेलन में तकनीकी सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिनमें क्षेत्र के विशेषज्ञ परिचालन चुनौतियों, बदलती आवश्यकताओं और उभरते अवसरों पर विचार-विमर्श करेंगे। चर्चा के प्रमुख विषयों में लचीला संयंत्र संचालन, सुरक्षा, एसेट प्रबंधन, जल एवं ईंधन प्रबंधन, डिजिटल अनुप्रयोग, दक्षता में सुधार तथा परमाणु ऊर्जा, हाइड्रोजन, नवीकरणीय ऊर्जा और भंडारण समाधान जैसे नए ऊर्जा मार्गों की भूमिका शामिल है।

ढ्ढक्क 2026 को अभूतपूर्व प्रतिक्रिया मिली है। कुल 466 से अधिक लेखकों ने तकनीकी शोध-पत्र प्रस्तुत किए हैं, जिनमें नवीनतम प्रगति, सर्वोत्तम प्रथाएँ और विद्युत उत्पादन के भविष्य को आकार देने वाले नवाचार शामिल हैं। विभिन्न संगठनों, ह्रश्वस्ह्य, ढ्ढक्क्रह्य, सरकारी नियामक एवं वैधानिक निकायों, विश्वविद्यालयों, श्वक्क्रढ्ढ तथा अन्य प्रतिष्ठित शोध संस्थानों द्वारा चयनित 107 तकनीकी शोध-पत्र सम्मेलन के दौरान प्रस्तुत किए जाएंगे।

2026 का एक प्रमुख आकर्षण टेक्नो गैलेक्सी प्रदर्शनी होगी, जिसमें अनेक विक्रेताओं और निर्माताओं द्वारा अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियाँ, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटलीकरण और रचनात्मक समाधान प्रदर्शित किए जाएंगे। यह मंच उद्योग हितधारकों को ऐसी नवाचार तकनीकों को समझने और अपनाने का अवसर देगा, जो पावर प्लांट संचालन में दक्षता, सुरक्षा और सततता को बढ़ावा देती हैं। प्रदर्शनी में एनटीपीसी के विभिन्न क्षेत्रीय मुख्यालयों द्वारा प्रतिनिधित्व किए गए संयंत्रों के मॉडल और उनके प्रदर्शन की झलक भी प्रस्तुत की जाएगी।

एनटीपीसी देश को ऊर्जा प्रदान करते हुए सस्टेनेबिलिटी और नवाचार को अपनाने की दिशा में निरंतर अग्रसर है। ढ्ढक्क 2026 का उद्देश्य परिचालन उत्कृष्टता को सुदृढ़ करना, सहयोग को बढ़ावा देना और विश्वसनीय एवं जिम्मेदार विद्युत उत्पादन के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता को और मजबूत करना है।वर्तमान में एनटीपीसी की स्थापित क्षमता 87 गीगावॉट से अधिक है और 32 गीगावॉट क्षमता निर्माणाधीन है।

कलिंगा विश्वविद्यालय की छात्राओं ने दिल्ली में लहराया परचम

विकसित भारत यंग लीडर डायलॉग में किया छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व

रायपुर। विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग 2026 एक राष्ट्रीय मंच है, जो 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं को भारत ञ्च2047 की परिकल्पना के निर्माण में सहभागी बनाता है। इस पहल में देशभर से 50 लाख से अधिक युवाओं ने भागीदारी की है।

प्रतिभागिता तीन चरणों की प्रक्रिया के माध्यम से होती है– डिजिटल क्विज़, निबंध लेखन तथा राज्य स्तरीय प्रस्तुतियाँ– जिसके पश्चात नई दिल्ली में भव्य समापन आयोजन किया जाता है। इसके प्रमुख विषयों में नवाचार, संस्कृति एवं सतत विकास शामिल हैं। कलिंगा विश्वविद्यालय की छात्रा सुश्री अलीशा यादव (एमबीए) एवं सुश्री असना जाबी (बीबीए एलएलबी) ने प्रतिष्ठित 'विकसित भारत यंग लीडर डायलॉग 2026' में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व कर राज्य का गौरव बढ़ाया।यह कार्यक्रम नई दिल्ली के प्रतिष्ठित भारत मंडपम में आयोजित किया गया। इस राष्ट्रीय स्तर के मंच पर देशभर से 50.64 लाख से अधिक आवेदकों ने भाग लिया। कठोर बहु-चरणीय चयन प्रक्रिया– जिसमें राष्ट्रीय स्तर की क्विज़ प्रतियोगिता, निबंध मूल्यांकन, भारत सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष पीपीटी प्रस्तुति, तथा भारत के सर्वोच्च न्यायालय के एक वरिष्ठ अधिवक्ता की देखरेख में आयोजित अंतिम नेतृत्व मूल्यांकन साक्षात्कार शामिल था–को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के बाद इन दोनों छात्राओं ने देशभर से चयनित प्रतिभागियों में अपना स्थान सुनिश्चित किया।

पहलः रायपुर प्रेस क्लब के सदस्यों को मिलेगा रियायती दर पर इलाज

रायपुर । रायपुर प्रेस क्लब अपने सदस्यों के हित में एक और महत्वपूर्ण एवं सकारात्मक पहल करने जा रहा है। प्रेस क्लब के नवनिर्वाचित अध्यक्ष मोहन तिवारी के नेतृत्व में कार्यकारिणी द्वारा शहर के प्रमुख अस्पताल प्रबंधन से रियायती दर पर उपचार की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए लगातार संवाद किया जा रहा है। इस संबंध में वरिष्ठ पत्रकार मनीष वोरा और निर्वाचित कार्यकारणी अलग-अलग अस्पताल प्रबंधन से चर्चा कर सहमति बनाने के लिए प्रयासरत हैं जिसमें, रामकृष्ण हॉस्पिटल, एम एम आई, बालाजी , नारायणा ,और सुयश, वी वाय हॉस्पिटल शामिल है, इसी कड़ी में रायपुर के प्रतिष्ठित अस्पताल प्रबंधन समूह आईटीएसए (ढ्ढञ्जस्न) ग्रुप के साथ प्रेस क्लब की सहमति बन गई है। दोनों पक्षों के बीच हुई सहमति के तहत आईटीएसए प्रबंधन ने प्रेस क्लब को अपना सहमति पत्र सौंप दिया है। अब प्रेस क्लब से जुड़े सदस्य आईटीएसए अस्पताल में उपचार कराने पर निर्धारित रियायती दरों का लाभ ले सकेंगे।सहमति के अनुसार प्रेस क्लब के सदस्यों को निम्नानुसार छूट प्रदान की जाएगी– कंसल्टेंट फीस में 40त्न छूट, लेबोरेटरी टेस्ट में 25त्न छूट, रेडियोलॉजी जांच में 25त्न छूट, ओपीडी फार्मेसी में 10त्न छूट।रायपुर प्रेस क्लब के और से महासचिव गौरव शर्मा उपाध्यक्ष दिलीप साहू कोषाध्यक्ष दिनेश यदु,संयुक्त सचिव द्वय निवेदिता साहू और भूपेश जांगड़े ने इस सराहनीय पहल के लिए आईटीएसए अस्पताल प्रबंधन का आभार व्यक्त किया है।प्रेस क्लब अध्यक्ष मोहन तिवारी ने बताया कि इस सुविधा का लाभ सुनिश्चित करने के लिए आईटीएसए प्रबंधन और रायपुर प्रेस क्लब की ओर से एक साझा पहचान कार्ड जारी किया जाएगा।

शहीद भगत सिंह वार्ड में राज्य के प्रथम सर्वसुविधायुक्त ग्रोथ सेंटर का लोकार्पण

- सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और आधुनिक शिक्षा का संगम

रायपुर। रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में विकास की परिभाषा अब केवल कंक्रीट की सड़कों और आधारभूत ढांचे तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानवीय संवेदनाओं, मातृशक्ति के सम्मान और भविष्य की पीढ़ी को संस्कारित करने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है। क्षेत्र के विकासपुरुष और दूरदर्शी राजनीति के प्रणेता विधायक राजेश मूणत की विशेष पहल पर नगर पालिक निगम रायपुर के जोन क्रमांक 08 अंतर्गत शहीद भगत सिंह वार्ड (टाटीबंध) में प्रदेश का पहला सर्वसुविधायुक्त %महतारी सदन सह आंगनबाड़ी% का गरिमामयी लोकार्पण संपन्न हुआ। ?85 लाख की भारी-भरकम लागत से तैयार यह केंद्र छत्तीसगढ़ की आंगनबाड़ी व्यवस्था के इतिहास में एक नया मील का पत्थर स्थापित कर रहा है।

सभा को संबोधित करते हुए विधायक राजेश मूणत ने अपनी दूरगामी सोच को साझा करते हुए कहा मेरा संकल्प रायपुर पश्चिम को केवल एक विधानसभा क्षेत्र नहीं, बल्कि देश का सर्वश्रेष्ठ मॉडल बनाना है। महतारी सदन मेरी उस परिकल्पना का मूर्त रूप है जहाँ हमारी मातृशक्ति को पूर्ण सम्मान मिले और नौनिहालों को वही वातावरण प्राप्त हो जो किसी संभ्रांत निजी प्ले-स्कूल में मिलता है। मुझे गौरव है कि सरकारी तंत्र के माध्यम से निर्मित यह संभवतः भारत का पहला ऐसा आंगनबाड़ी केंद्र है जो निजी क्षेत्रों की सुविधाओं को भी पीछे छोड़ता है।

आज राजधानी में होगा विश्व रेडियो दिवस का आयोजन

- मुख्यमंत्री विष्णु देव साय मुख्य अतिथि के रूप में होंगे शामिल

रायपुर। प्रसार भारती एवं यूनेस्को के संयुक्त तत्वावधान में 13 फरवरी 2026 को विश्व रेडियो दिवस का भव्य आयोजन रायपुर में किया जाएगा। अंतरराष्ट्रीय महत्व का यह कार्यक्रम सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, प्रसार भारती और आकाशवाणी महानिदेशालय के सहयोग से आकाशवाणी रायपुर द्वारा आयोजित किया जा रहा है।इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे। उनके साथ यूनेस्को के प्रतिनिधि, प्रसार भारती एवं आकाशवाणी के वरिष्ठ अधिकारी तथा विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ भी कार्यक्रम में भाग लेंगे। वर्ष 2026 के विश्व रेडियो दिवस की थीम रेडियो और कृत्रिम बुद्धिमत्ता निर्धारित की गई है। इस विषय के अंतर्गत रेडियो प्रसारण में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के नवाचारपूर्ण उपयोग, सामग्री निर्माण में एआई की भूमिका, श्रोताओं तक प्रभावी पहुंच तथा तकनीकी एवं नैतिक चुनौतियों पर व्यापक चर्चा की जाएगी। कार्यक्रम में ऑडियो विजुअल प्रस्तुतीकरण, परिचर्चा सत्र, विशेषज्ञ पैनल चर्चा आदि को शामिल किया गया है।जिनका उद्देश्य रेडियो माध्यम को तकनीकी रूप से सशक्त, समावेशी और भविष्य उन्मुख बनाना है। विश्व रेडियो दिवस प्रतिवर्ष 13 फरवरी को मनाया जाता है।

अपराध नियंत्रण, विवेचना एवं कानून-व्यवस्था को प्रभावी बनाए रखने के सख्त निर्देश

रायपुर। थाना स्तर पर अपराध की रोकथाम एवं निराकरण, प्राप्त शिकायतों के त्वरित निराकरण तथा रात्रिकालीन अवैध एवं संदिग्ध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने हेतु आज पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) संदीप कुमार पटेल द्वारा क्राइम मीटिंग आयोजित की गई। बैठक में अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) श्री राहुल देव शर्मा, सहायक पुलिस आयुक्त आज़ाद चौक इशु अग्रवाल एवं सहायक पुलिस आयुक्त पुरानी बस्ती देवांश सिंह राठौर उपस्थित रहे। बैठक के दौरान पश्चिम जोन अंतर्गत आने वाले थाना प्रभारियों थाना आमानाका, आज़ाद चौक, टिकरापारा, डीडी नगर, पुरानी बस्ती, राजेंद्र नगर, कबीर नगर एवं सरस्वती नगर, मुजगहन की उपस्थिति में क्षेत्र में अपराध नियंत्रण, लंबित शिकायतों के शीघ्र निराकरण, प्रभावी पेट्रोलिंग, रात्रि गश्त सुदृढ़ करने तथा अवैध गतिविधियों पर सख्त कार्रवाई के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

मैट्स विश्वविद्यालय में खेल महोत्सव का भव्य शुभारंभ

- कार्यक्रम का शुभारंभ आकर्षक उद्घाटन परेड के साथ हुआ

रायपुर। MATS University में दिनांक 12 फरवरी 2026 को "MATS Khel Mahotsav 2026 का भव्य शुभारंभ अत्यंत उत्साह, ऊर्जा और खेल भावना के साथ विश्वविद्यालय परिसर में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं, प्राध्यापकों एवं विश्वविद्यालय के वरिष्ठ पदाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन को विशेष बना दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ आकर्षक उद्घाटन परेड के साथ हुआ, जिसमें विभिन्न संकायों एवं विभागों के विद्यार्थियों ने अनुशासित मार्चपास्ट प्रस्तुत किया। इसके पश्चात समस्त उपस्थितजनों द्वारा राष्ट्रगान गाया गया, जिससे पूरे परिसर में देशभक्ति एवं गरिमा का वातावरण व्याप्त हो गया। तत्पश्चात खिलाड़ियों द्वारा खेल शपथ ली गई, जिसमें उन्होंने खेल भावना, निष्पक्षता एवं अनुशासन के साथ प्रतियोगिताओं में भाग लेने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के प्रारंभ में अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। तत्पश्चात दीप प्रज्वलन के साथ आयोजन का औपचारिक शुभारंभ हुआ। कुलपति का प्रेरणादायी संबोधन - अपने संबोधन में कुलपति क्क्रश्रद्घ. (ष्ठह्म्.) च.क्क ड्ढड्डस्रड्ड1 ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल केवल शारीरिक क्षमता का प्रदर्शन नहीं है।

रोड अंडर ब्रिज निर्माण कार्य पूर्णः रेलवे समपार फाटक, जलसों फाटक 20 से स्थाई रूप से बंद

रायपुर। रायपुर रेल मंडल में हावड़ा -मम्बई मुख्य रेल मार्ग स्थित मानव सहित रेलवे समपार फाटक संख्या 403 (कि.मी. 800/21 - 23) (बैकुंठ - सिलयारी के मध्य) के पास रोड अंडर ब्रिज का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है आम जनता के लिए दिनांक 20 फरवरी 2026 से रोड अंडर ब्रिज को खोल दिया जाएगा एवं 403 मानव सहित समपार फाटक को 20 फरवरी 2026 से (मध्य रात्रि 24ञ्00 से) स्थाई रूप से बंद कर दिया जाएगा।

9धान की फसल में प्रमुख कीट स्टेम बोरर और लीफ फोल्डर पर प्रभावी

गोदरेज एग्रोवेट ने नया कीटनाशक 'टकाई' लॉन्च किया

- 9आईएसके जापान द्वारा विकसित साइक्लेप्रिनइ तकनीक से युक्त

रायपुर। भारत की अग्रणी विविधीकृत कृषि-व्यवसाय कंपनियों में से एक, गोदरेज एग्रोवेट लिमिटेड ने धान की फसल के लिए एक नया कीटनाशक 'टकाई ' लॉन्च किया है। आईएसके जापान द्वारा विकसित साइक्लेप्रिनइ तकनीक से संचालित टकाई धान की फसल में प्रमुख कीट स्टेम बोरर पर प्रभावी है और लीफ फोल्डर को भी नियंत्रित करता है।

जब इसे 15-30 दिन बाद रोपाई (डीएटी) पर 160 मिली की मात्रा में तथा पुनः 40ङ्क60 डीएटी के दौरान प्रयोग किया जाता है, तो यह धान की फसल को लंबे समय तक व्यापक सुरक्षा प्रदान करता है। कंपनी मक्का, मिर्च, पत्तागोभी, सोयाबीन, चना और गन्ना फसलों के लिए भी टकाई के लेबल अनुमोदन की प्रक्रिया में है।

तना छेदक के प्रकोप से गंभीर स्थिति में 30त्न से 40त्न तक उत्पादन हानि हो सकती है, जबकि लीफ फोल्डर के प्रकोप से 20त्न से 30त्न तक उपज प्रभावित होती है। ये कीट अक्सर फसल के शुरुआती और मध्य विकास चरणों में हमला करते हैं, जब इनकी पहचान और समय पर नियंत्रण करना चुनौतीपूर्ण होता है। इसी कारण, विश्व में धान का सबसे बड़ा उत्पादक होने के बावजूद (150.18 मिलियन टन उत्पादन), भारत की प्रति हेक्टेयर उपज लगभग 2.9 टन है, जो वैश्विक सर्वोत्तम औसत 5 टन प्रति हेक्टेयर से काफी कम है।

गोदरेज एग्रोवेट के एमडी एवं सीईओ, सुनील कटारिया ने कहा,भारतीय धान किसान की सफलता में प्रभावी कीट प्रबंधन निर्णायक भूमिका निभाता है। टकाई के माध्यम से हम किसानों को ऐसा समाधान प्रदान करना चाहते हैं जो तेज़ी से कीटों पर नियंत्रण करे और लंबे समय तक प्रभावी रहे, जिससे फसल का स्वास्थ्य बेहतर हो।

उन्होंने आगे कहा, गोदरेज एग्रोवेट में हमारा प्रयास किसानों को ऐसी फसल सुरक्षा समाधान देना है जो पर्यावरण और बाज़ार से जुड़ी चुनौतियों का सामना करने में मदद करें। आज टकाई का लॉन्च हमारी उस रणनीति के अनुरूप है, जिसके तहत हम अपने अनुसंधान कौशल और मजबूत जमीनी पहुंच का उपयोग करते हुए प्रमुख फसलों के लिए अपना पोर्टफोलियो मजबूत कर रहे हैं, ताकि किसानों और उनके परिवारों को सशक्त बनाया जा सके। धान एक बहु-ऋतु फसल है - खरीफ, रबी और ग्रीष्म ङ्क और यह गर्म, आर्द्र तथा जल-भराव वाली परिस्थितियों में उगाई जाती है, जो पूरे वर्ष कीट प्रकोप के लिए अनुकूल होती हैं। शुरुआती महत्वपूर्ण अवस्था यानी 15ङ्क30 डीएटी (वनस्पतिक अवस्था) में तना छेदक पौधों को नुकसान पहुंचाता है, जिसे पहचानना किसानों के लिए कठिन होता है। बाद में 40ङ्क60 डीएटी (प्रजनन अवस्था) में तना छेदक और लीफ फोल्डर दोनों फसल पर हमला करते हैं। लीफ फोल्डर पत्तियों को मोड़कर उनके ऊतक को खाता है, जिससे प्रकाश संश्लेषण क्षेत्र कम हो जाता है और फसल की वृद्धि प्रभावित होती है। इन अवस्थाओं में टकाई का प्रयोग 160 मिली की मात्रा में 15ङ्क30 दिन तथा पुनः 40ङ्क60 डीएटी पर करने की सलाह दी जाती है।टकाई के लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, गोदरेज एग्रोवेट के क्रॉप प्रोटेक्शन बिज़नेस के जनरल मैनेजर मार्केटिंग ङ्क अनिल कुमार चौबे ने कहा, ÷हमारे प्री-लॉन्च सर्वेक्षण में 77त्न किसानों ने तेज़ कीट नियंत्रण, लंबे समय तक असर और बेहतर फसल स्वास्थ्य को प्राथमिकता दी। इसी कारण आईएसके जापान के साथ हमारी साझेदारी के माध्यम से हम टकाई को भारतीय किसानों के लिए लेकर आए हैं।

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल का 22वां स्थापना दिवस : योजनाओं की समीक्षा

रायपुर। छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल ने आज अपना 22वां स्थापना दिवस उत्साहपूर्वक मनाया। राज्य गठन के बाद 12 फरवरी 2004 को मंडल का पुनर्गठन किया गया था। पुनर्गठन के पश्चात अब तक मंडल द्वारा निर्मित लगभग एक लाख आवासों एवं संपत्तियों में से करीब 75 प्रतिशत आवास कमजोर एवं निम्न आय वर्ग के हितग्राहियों के लिए तैयार किए गए हैं।

स्थापना दिवस के अवसर पर मंडल अध्यक्ष श्री अनुराग सिंह देव और आयुक्त श्री अवनीश शरण ने सभी शाखाओं के अधिकारियों और कर्मचारियों की समीक्षा बैठक ली। अध्यक्ष श्री सिंह देव ने हाउसिंग बोर्ड परिवार को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए बेहतर कार्य संस्कृति और हितग्राहियों को किफायती दरों पर गुणवत्तापूर्ण आवास उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने सभी संचालित योजनाओं की विस्तृत समीक्षा करते हुए उनके प्रभावी और समयबद्ध क्रियान्वयन के निर्देश दिए। बैठक में उन्होंने ÷रिव्यू, रिफॉर्म और रिवोल्यूशन÷ की कार्यसंस्कृति अपनाने पर बल दिया।अध्यक्ष ने बताया कि वर्षों से रिक्त पड़ी संपत्तियों में से 70 प्रतिशत का विक्रय किया जा चुका है। शेष 30 प्रतिशत संपत्तियों के शीघ्र विक्रय के लिए नई नीति तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं, जिसमें मरम्मत एवं आवश्यक सुधार कार्य भी शामिल होंगे। उन्होंने यह भी कहा कि विकसित कॉलोनियों में ऐसे भूखंड, जो मंडल के उपयोग में नहीं हैं या अतिरिक्त रूप में आबंटित किए जा सकते हैं, उनका त्वरित निराकरण किया जाए।नई आवासीय योजनाओं के तहत विक्रय हो रहे मकानों की साइट पर एक टिन शेड कार्यालय स्थापित करने के निर्देश भी दिए गए, जहां परियोजना से संबंधित सभी जानकारी और ब्रोशर उपलब्ध कराए जाएं।

स्वामी, प्रकाशक एवं शिवशंकर सोनपिपरे द्वारा शंकर नगर शक्ति नगर, साहू किराना स्टोर के सामने, रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं पब्लिशर्स अनंत बिहार कॉलोनी दलदल सिवनी रोड मोवा, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित शिव शंकर सोनपिपरे सह संपादक तीव कुमार सोनी RNI -CHHHIN 2011/41823/4183 मो. नं. 99935-0666, संपादक जय प्रकाश त्रिपाठी (समस्त विवादों के लिए न्याय क्षेत्र रायपुर होगा)